चैत्र शुक्ल - 14 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 252 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 11-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदारों की खैर नहीं

6 प्राकट्य उत्सव 12 अप्रैल पर विशेष हनुमान के गुणों को जीवन में उतारिए

7 पांच साल बाद एक्शन जॉनर में वापसी करेंगे रणदीप हुड्डा

फर्स्ट टेक

तहव्वुर राणा से उसका कोई लेना-देना नहीं है: पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसका 26 नवम्बर, 2008 को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा से कोई लेना-देना नहीं है और वह एक कनाडाई नागरिक है तथा उसने लगभग दो दशकों से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है। राणा का पाकिस्तान में 1961 में जन्म हुआ था और उसने पाकिस्तान आर्मी मेडिकल कोर में सेवाएं दी थीं और इसके बाद वह 1990 के दशक में कनाडा चला गया, जहां उसे नागरिकता दी गई। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने यहां साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''वह एक कनाडाई नागरिक है और हमारे रिकॉर्ड के अनुसार उसने दो दशकों से अधिक समय से अपने पाकिस्तानी दस्तावेजों का नवीनीकरण नहीं कराया है।''

ईडी ने धनशोधन मामले में नोएडा के 'रियल्टी समूह' के परिसरों पर छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा में एक मॉल और कुछ अन्य स्थानों पर छापे मारे। ये छापे नोएडा स्थित एक 'रियल्टी समूह' के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत मारे गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस समूह पर घर खरीदारों से करीब 40 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। सूत्रों ने बताया कि यह कार्रवाई 'भसीन इन्फोटेक एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड', इसके निदेशक और प्रवर्तक सतिंदर सिंह भसीन और कुछ अन्य के खिलाफ की जा रही है। ईडी की कार्रवाई के बारे में जानकारी के लिए कंपनी या उसके निदेशकों से संपर्क नहीं हो सका।

ओडिशा पुलिस में 12,000 रिक्त पदों पर होगी भर्ती

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ऐलान किया कि राज्य सरकार पुलिस विभाग में 12,000 से अधिक रिक्त पदों को जल्द भरेगी। माझी ने यह घोषणा दिल्ली से लौटने के बाद बुधवार को की, जहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन की मेजबानी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि शाह के साथ बैठक में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएनए) को राज्य में लागू करने पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर भी चर्चा हुई।

मुंबई हमलों के आरोपी

तहव्वुर हुसैन राणा को भारत लाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से ''सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित'' कराने के बाद भारत लाया गया और फिर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के 64-वर्षीय कनाडाई नागरिक राणा को बृहस्पतिवार शाम एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जिससे कई दिन से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि उसे कब और कैसे प्रत्यर्पित किया जाएगा।

एनआईए ने देर शाम एक बयान में कहा कि राणा को ''दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के तुरंत बाद औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया''। एजेंसी ने बताया कि राणा को एनआईए और राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) की टीम दिल्ली लेकर आई। इसने कहा कि एनआईए की एक टीम ने सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद राणा को विमान से उतरने के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया।

तहव्वुर हुसैन राणा को दिल्ली की अदालत में पेश किया गया

मुंबई आंतकी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को बृहस्पतिवार रात दिल्ली की एक अदालत में पेश किया गया। राणा को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष पेश किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष सरकारी अभियोजक नरेन्द्र मान ने एनआईए का प्रतिनिधित्व किया। दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिवक्ता पीयूष सचदेवा अदालत में राणा का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अधिवक्ता नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्रालय ने मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के खिलाफ दिल्ली में मुकदमे के लिए अधिवक्ता नरेंद्र मान को विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) नियुक्त किया। दिल्ली विश्वविद्यालय से वर्ष 1990 में विधि स्नातक मान ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का प्रतिनिधित्व किया है और वह कई महत्वपूर्ण मामलों में पेश हुए हैं। वह जनवरी, 2011 से अप्रैल, 2019 के बीच दिल्ली उच्च न्यायालय में सीबीआई के लिए विशेष लोक अभियोजक थे।

राणा के भारत प्रत्यर्पण के बारे में सुनकर खुश हूं : इजराइली राजदूत

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने 26/11 के आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के भारत प्रत्यर्पण का बृहस्पतिवार को स्वागत किया। उन्होंने आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने की प्रतिबद्धता के लिए भारत सरकार का आभार भी जताया।

अजार ने एक वीडियो संदेश में कहा, हम 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए भयानक आतंकवादी हमलों के एक आरोपी के भारत प्रत्यर्पण के बारे में सुनकर खुश हैं, जिसमें इजराइलियों समेत कई निर्दोष नागरिक मारे गए थे। उन्होंने कहा, मैं आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में लाने की प्रतिबद्धता के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। नई दिल्ली स्थित इजराइली दूतावास ने यह वीडियो मीडिया से साझा किया।

अनिश्चितताओं की दुनिया में भारत प्रगति का शानदार उदाहरण है : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रातिस्लावा/नाइट्रा (स्लोवाकिया)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को स्लोवाकिया के उद्योगपतियों को 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और इस बात पर जोर दिया कि भारत आज की अनिश्चितताओं भरी दुनिया में प्रगति का एक शानदार उदाहरण है। राष्ट्रपति ने यहां 'जगुआर लैंड रोवर' सुविधा केंद्र का दौरा किया। इस दौरान वह 'लैंड रोवर डिफेंडर' के विनिर्माण संयंत्र की शुरुआत की साक्षी बनीं।

मुर्मू दो देशों की अपनी राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में बुधवार को यहां पहुंचीं। वह स्लोवाक गणराज्य की यात्रा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष हैं।

राष्ट्रपति ने संयंत्र में कार्यरत भारतीय कर्मचारियों से मुलाकात की, जो उनसे मिलने के लिए पंक्ति में खड़े थे। आखिरी बार किसी भारतीय राष्ट्रपति ने 29 साल पहले स्लोवाकिया का दौरा किया था। मुर्मू मध्य यूरोपीय देश का दौरा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्रपति हैं।

विदेश मंत्रालय द्वारा यहां आयोजित स्लोवाकिया-भारत व्यापार मंच को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि स्लोवाकिया अपनी कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेशों से मेहनती कुशल श्रमिकों और पेशेवरों की तलाश कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारतीय प्रतिभा स्लोवाकिया की आर्थिक प्रगति में एक मूल्यवान भागीदार हो सकती है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के आने वाले वर्षों में 5,000 अरब (पांच ट्रिलियन) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है और ''हम स्लोवाकिया जैसे अपने मित्र देशों के साथ साझेदारी में ऐसा करने की उम्मीद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और स्लोवाकिया, अपने मजबूत औद्योगिक आधार और यूरोप में रणनीतिक स्थान के साथ व्यापार और निवेश के लिए बेहतरीन अवसर प्रस्तुत करता है।''

वक्फ अधिनियम के खिलाफ कोलकाता में विशाल रैली

प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजेगा जमीयत-ए-उलेमा हिंद

कोलकाता/भाषा। वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ बृहस्पतिवार को कोलकाता के रामलीला मैदान में एक विशाल विरोध प्रदर्शन हुआ। इस दौरान पश्चिम बंगाल के मंत्री और जमीयत-ए-उलेमा हिंद के प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने घोषणा की कि कानून को निरस्त करने की मांग करते हुए एक करोड़ हस्ताक्षरों वाला एक ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सौंपा जाएगा। जमीयत की प्रदेश इकाई द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ उमड़ी और ईसाइयों व सिखों ने भी इसमें भाग लिया।

आयुष्मान भारत योजना नहीं लागू करने वाले राज्यों की सरकारें बाहर हो गईं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रमुख जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन सत्तारूढ़ दलों ने अपने राज्यों में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं की, वे सत्ता से बाहर हो गए और अब पश्चिम बंगाल की बारी है।

दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) को लागू करने के लिए पांच अप्रैल को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के बाद प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के साथ एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पीएम-एबीएचआईएम को यह सुनिश्चित करने के लिए अक्टूबर 2021 में शुरू किया गया था ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा भविष्य की महामारियों और बीमारियों के प्रकोप का प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सके। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि एबी-पीएमजेएवाई दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य-कवरेज कार्यक्रम है, जिसके तहत वर्तमान में 62 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि दिल्ली में 36 लाख लोग अब आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई से लाभान्वित होंगे। नड्डा ने यह भी बताया कि दिल्ली में आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के लागू होने से 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत आएंगे, भले ही उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 8.19 करोड़ लोग पहले ही इलाज करा चुके हैं और सरकार ने इसके लिए कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 16 को उच्चतम न्यायालय में होगी सुनवाई

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता में उच्चतम न्यायालय की एक पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वालीं लगभग 10 याचिकाओं पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगी, जिनमें एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका भी शामिल है। उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश के अलावा न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन भी याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली इस पीठ में शामिल होंगे।

बिहार के कई जिलों में ओलावृष्टि, वज्रपात की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत

पटना/भाषा। बिहार के कई जिलों में बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, नालंदा में 18 लोगों की मौत हुई। इसके बाद सीवान में दो, कटिहार, दरभंगा, बेगूसराय, भागलपुर और जहानाबाद में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने हालांकि दावा किया कि इन घटनाओं में 50 से अधिक लोगों की मौत हुई है। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''बिहार में आंधी, तूफान, बारिश, वज्रपात, वृक्ष व दीवार गिरने की विभिन्न घटनाओं में 50 से अधिक दुखद मौतों से मर्माहत हूं। सभी मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर आपदा से प्रभावित परिवारों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।'' उन्होंने बिहार सरकार से मांग की कि वह सभी पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा दे।

बुधवार को बिहार के चार जिलों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, किशनगंज, अररिया, सुपौल, गया, सीतामढ़ी, शिवहर, नालंदा, नवादा और पटना सहित कई जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (सावधान रहें) जारी किया है। इन जिलों में शुक्रवार और शनिवार को भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। आईएमडी ने एक बुलेटिन में कहा, ''मधुबनी, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण, किशनगंज, अररिया, सुपौल, गया, सीतामढ़ी, शिवहर, नालंदा, नवादा, पटना में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश, आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) चलने की संभावना है।''

बृहस्पतिवार को भारी बारिश के बाद पटना के कई हिस्सों से जलजमाव की भी खबर आई।

चंद्रमा के दूरदराज के हिस्से की मिट्टी में पृथ्वी वाले हिस्से की तुलना में शुष्कता के संकेत

केप कैनवेरल/एपी। चीन के वैज्ञानिकों ने बुधवार को बताया कि चंद्रमा के सुदूर भाग से प्राप्त मिट्टी और चट्टानों से संकेत मिलते हैं कि वह हिस्सा पृथ्वी की ओर वाले हिस्से की तुलना में अधिक शुष्क हो सकता है। वैज्ञानिकों ने हालांकि कहा कि स्पष्ट तस्वीर के लिए और अधिक नमूनों की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि चंद्र आवरण में पानी की प्रचुरता यह समझाने में मदद कर सकती है कि चंद्रमा कैसे विकसित हुआ। पिछले साल चीन चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला देश बन गया था। अंतरिक्ष यान 'चांग'ई 6' ने दक्षिण ध्रुव-'ऐटकेन बेसिन' से ज्वालामुखीय चट्टान और मिट्टी को निकाला था। 'चीनी विज्ञान अकादमी' के सेन हू ने बताया कि उन्होंने और उनकी टीम ने पांच ग्राम मिट्टी के नमूने लिए और फिर विस्तृत विश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की मदद से 578 कणों का चयन किया।

भारत पर लगे अतिरिक्त शुल्क को नौ जुलाई तक टालने का आदेश जारी : अमेरिका

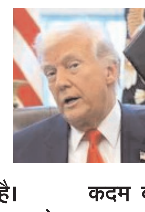

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने भारत पर लगाए गए अतिरिक्त सीमा शुल्क को इस साल नौ जुलाई तक स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया है। इस सरकारी आदेश के मुताबिक, भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का फैसला 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है।

इसके पहले दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 60 देशों से आयातित उत्पादों पर शुल्क लगाने और भारत जैसे देशों पर अलग से उच्च शुल्क लगाने की घोषणा की थी।

ट्रंप के इस कदम से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में झींगा से लेकर इस्पात उत्पादों तक की बिक्री प्रभावित होने का अंदेशा था। उनके इस कदम का उद्देश्य अमेरिका के बड़े व्यापार घाटे को कम करना और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था।

अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत का अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया जो थाइलैंड, वियतनाम और चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कम है। शुल्क वृद्धि का यह आदेश नौ अप्रैल से प्रभावी हो गया था लेकिन ट्रंप ने अब इसे 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया है। हालांकि, शुल्क का यह निलंबन हांगकांग, मकाऊ के अलावा चीन पर लागू नहीं है। इसके साथ ही व्हाइट हाउस के आदेश में कहा गया है कि संबंधित देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत आधार शुल्क लागू रहेगा।

उच्चतम न्यायालय के फैसले की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने पर ममता को अवमानना नोटिस

कोलकाता/एजेन्सी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) आत्मदीप का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील सिद्धार्थ दत्ता ने एसएससी भर्ती घोटाला मामले में उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने पर गुरुवार को अवमानना नोटिस भेजा।

यह कानूनी नोटिस उच्चतम न्यायालय के तीन अप्रैल के फैसले के मद्देनजर आया जिसमें राज्य के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती में लगभग 26,000 अवैध नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा गया था।

नोटिस के अनुसार सुश्री बनर्जी ने आठ अप्रैल को नेताजी इंडोर स्टेडियम में बेरोजगार शिक्षकों को संबोधित करते हुए नौकरी समाप्ति के पीछे के अधिकार पर सवाल उठाकर सीधे उच्चतम न्यायालय के फैसले की अवहेलना की, प्रभावित व्यक्तियों को बहाल करने के लिए कई आकस्मिक योजनाएं होने का दावा किया और उनसे अपने समाप्त पदों पर बने रहने का आग्रह किया।

नोटिस में एक हिस्से को हाइलाइट किया गया है जिसमें सुश्री बनर्जी ने कहा, किसी की नौकरी छीनने का अधिकार किसे है , किसी को नहीं। हमारी योजना ए तैयार है, बी तैयार है, सी तैयार है, डी तैयार है और ई तैयार है। आप मुझे यह कहने के लिए जेल में डाल सकते हैं।

मोदी सरकार पूरी ताकत से ड्रग माफियाओं को कुचल रही है : शाह

नई दिल्ली/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मोदी सरकार पूरी ताकत से ड्रग माफियाओं को कुचल रही है। शाह ने गुरूवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ड्रग-मुक्त भारत बनाने के हमारे विजन के अनुरूप हमारी एजेंसियों ने ड्रग कार्टेलों पर लगाम लगाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए और असम में तीन लोगों को गिरफ्तार करते हुए 24.32 करोड़ रुपये की 30.4 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त कीं। ड्रग्स के खिलाफ हमारा अभियान कठोरता से जारी रहेगा। इस बड़ी सफलता के लिए एन सी बी, असम पुलिस और सीआरपीएफ को बधाई। उल्लेखनीय है कि नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने 6 अप्रैल को 24.32 करोड़ रुपये मूल्य की 30.4 किलोग्राम मेथामफेटामाइन टैबलेट जब्त की और दो मामलों में तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

सूर्यास्त 11-04-2025 6:21 बजे	सूर्योदय 12-04-2025 6:58 बजे
BSE 73,847.15 (-379.93)	NSE 22,399.15 (-136.70)
सोना 9,312 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 102,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बंदर बाँट

आजादी से पहले सारा,
यह देश बँटा जागीरों में।
जर जोरू और जमीन बँटी,
कातिल खूनी शमशीरों में।
अब बाँट रहे हैं सीटों में,
नेता जन को दलवीरों में।
सत्ताएं बदली ना बदला,
दुर्भाग्य लिखा तकदीरों में।।

एमएसएमई हमारी सबसे बड़ी संपत्ति, स्टार्टअप के साथ एकीकरण हो : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को देश की 'सबसे बड़ी संपत्ति' बताते हुए छोटे उद्योगों का स्टार्टअप के साथ एकीकरण करने का आह्वान किया।

शाह ने यहां आयोजित 'गुजरात वार्षिक व्यापार प्रदर्शनी' के उद्घाटन कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने हाल ही में 75 साल पूरे करने वाले गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (जीसीसीआई) से आग्रह किया कि वह युवाओं के लिए एक नया पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के लिए छोटे उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़ें। उन्होंने जीसीसीआई के प्रबंधन से अगले 25 साल के लिए एक रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ''एमएसएमई हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। हर बड़े उद्योग ने एक छोटे उद्यम के तौर पर अपना सफर शुरू किया। जीसीसीआई को छोटे उद्योगों की परंपरा को स्टार्टअप के साथ जोड़ना चाहिए और युवाओं के लिए एक समूची पारिस्थितिकी बनाने के लिए इनका आधुनिकीकरण करना चाहिए।''

शाह ने कहा, ''चैंबर को सरकार, छोटे उद्योगों और महत्वाकांक्षी युवाओं के बीच एक पुल के तौर पर काम करना चाहिए। गुजरात में एमएसएमई क्षेत्र के विकास में मदद के लिए सहायक औद्योगिक इकाइयों को आकर्षित करने पर ध्यान देना चाहिए।'' केंद्रीय मंत्री ने जीसीसीआई से सरकार को नीतियां बनाने और लागू करने में सहायता करने के लिए एक स्थायी इकाई बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने विनिर्माण से लेकर खुदरा विक्रेता तक समूची व्यापार शृंखला में डिजिटल लेनदेन को शामिल करने और गुजरात के युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं बनाने का भी आग्रह किया।

शाह ने कहा कि गुजरात में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त और व्यापार के अनुकूल एवं कुशल प्रणालियों द्वारा समर्थित 'हड़ताल-मुक्त परिवेश' का आश्वासन दिया जाता है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में कहा कि गुजरात का उद्योग समर्थक माहौल और मजबूत बुनियादी ढांचा राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है।

हिंदुस्तान जिंक के निजीकरण से जिंक उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि : अनिल अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि दो दशक पहले हिंदुस्तान जिंक के निजीकरण से जिंक उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और नए अवसर पैदा हुए हैं।

कंपनी के एक बयान के अनुसार, वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक बनकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसे भारत की संसाधन स्वतंत्रता और औद्योगिक ताकत के लिए एक नए युग की शुरुआत बताया। अग्रवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''23 साल पहले, एक नया युग शुरू हुआ। जिंक की मांग बहुत अधिक थी, लेकिन भारत में इसका उत्पादन कम था और आयात शुल्क 40 प्रतिशत था। 2002 में, सरकार ने हिन्दुस्तान जिंक का निजीकरण करके एक साहसिक कदम उठाया और हमें मौका दिया। उन्होंने कहा एक साल के भीतर, बिना एक भी छंटनी के, मुनाफे में 113 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आज, हिन्दुस्तान जिंक दुनिया का सबसे बड़ा एकीकृत जिंक उत्पादक है। उन्होंने कहा हमारे विशेषज्ञों और इंजीनियरों के केंद्रित प्रयासों की बदौलत, भारत में चांदी का उत्पादन 15 गुना बढ़ गया है। अग्रवाल ने कहा कि राजस्थान में लाखों लोगों की आजीविका का सृजन हुआ है।

छत्तीसगढ़ में लगेगा सेमीकंडक्टर कारखाना, गैलियम नाइट्राइड चिप से 5जी, 6जी को मिलेगी गति

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 11 अप्रैल को नया रायपुर में देश की पहली गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) आधारित सेमीकंडक्टर कारखाने की आधारशिला रखेंगे। अधिकारियों ने कहा कि 1,143 करोड़ रुपए के निवेश के साथ यह परियोजना छत्तीसगढ़ को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में अगुवा बनाएगी। यह चिप न केवल रोजमर्रा के उपकरणों को चलाने में उपयोग में आएंगे, बल्कि वे भविष्य को भी गति देंगे। यह अगली पीढ़ी के 5जी और 6जी नेटवर्क, उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप, रक्षा प्रौद्योगिकी, आंकड़ा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों को आगे बढ़ाने में मददगार होगा। चेन्नई की पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स, यह अत्याधुनिक कारखाना लगाएगी। कंपनी का 2030 तक सालाना 10 अरब चिप उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। इस संयंत्र की स्थापना भारत की सेमीकंडक्टर आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक तकनीकी महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मान ने 'राजनीतिक जासूसी' के लिए खुफिया तंत्र का 'दुरुपयोग' किया: पंजाब भाजपा प्रमुख

चंडीगढ़/भाषा। भाजपा की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राजनीतिक जासूसी के लिए राज्य के खुफिया तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखकर इस मामले की न्यायिक या स्वतंत्र जांच का आदेश देने का आग्रह किया। कटारिया को लिखे पत्र में जाखड़ ने पिछले महीने बजट सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में दिए गए मान के बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के पंजाब मामलों के प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल की दिल्ली में पार्टी विधायकों के साथ बैठक के बारे में बात की थी। मान ने कहा था, मैं सत्ता में हूं और मुझे खुफिया रिपोर्ट मिलती है। जाखड़ ने सदन में मान के बयान का हवाला देते हुए कहा, यह कोई सरसरी टिप्पणी या राजनीतिक दिखावा नहीं था। यह राज्य के खुफिया तंत्र के उपयोग के बारे में सरकार के प्रमुख के रूप में उनका प्रत्यक्ष और स्पष्ट संदर्भ था। प्रदेश भाजपा प्रमुख ने कहा, ऐसा करके, मुख्यमंत्री ने प्रभावी रूप से राजनीतिक विरोधियों व पंजाब के बाहर आयोजित बैठकों, अन्य राजनीतिक दलों के आंतरिक कामकाज पर नजर रखने के लिए राज्य खुफिया संसाधनों के इस्तेमाल की बात स्वीकार की है।

निजी विवरणों का सार्वजनिक खुलासा अब भी आरटीआई कानून के अधीन : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि विभिन्न कानूनों के तहत सार्वजनिक खुलासे का विषय होने वाले व्यक्तिगत विवरणों को नया डेटा संरक्षण नियम लागू होने के बाद भी सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अधीन जारी किया जाता रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता जयराम रमेश के लिखे एक पत्र के जवाब में सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिये यह स्पष्टीकरण दिया है।

राज्यसभा सांसद रमेश ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम 2023 की धारा 44 (3) को 'स्थगित, समीक्षा करने और निरस्त करने' की मांग की थी। रमेश ने 23 मार्च को लिखे अपने पत्र में कहा था कि डीपीडीपी अधिनियम की धारा 44 (3) से सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 2005 के तहत व्यक्तिगत जानकारी साझा करने पर रोक लगती है। इस पर वैष्णव ने कहा, ''कोई भी व्यक्तिगत जानकारी जो हमारे जनप्रतिनिधियों और कल्याण कार्यक्रमों आदि को नियंत्रित करने वाले विभिन्न कानूनों के तहत कानूनी दायित्वों के तहत प्रकटीकरण के अधीन है, उसका खुलासा आरटीआई अधिनियम के तहत जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''असल में, यह संशोधन व्यक्तिगत सूचनाओं के खुलासे पर रोक नहीं लगाएगा। इसका उद्देश्य व्यक्तियों के गोपनीयता अधिकारों को मजबूत करना और कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकना है।''

जम्मू-कश्मीर विधानसभा परिसर में हाथापाई: 'आप' ने पीडीपी, भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने विधायक मेहराज मलिक और भाजपा विधायकों के बीच जम्मू में विधानसभा परिसर में हुई हाथापाई को लेकर बृहस्पतिवार को पीडीपी और भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किया। मलिक के नेतृत्व में 'आप' के कार्यकर्ताओं ने भाजपा तथा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के खिलाफ प्रदर्शन किया और वे तख्तियां थामे हुए थे। उन्होंने हाथापाई में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मलिक ने कथित रूप से कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी जिसके बाद बुधवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा परिसर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों और 'आप' विधायक में हाथापाई हो गई थी। पीडीपी विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के खिलाफ मलिक की टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी जिसके बाद 'आप' के एकमात्र विधायक की सदन के बाहर मौजूद पीडीपी सदस्यों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई और फिर सुरक्षाकर्मियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। मलिक ने संवाददाताओं से कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों से संबंधित मुद्दे उठा रहा था। सदन चलने नहीं दिया गया। सदन सत्र चलने के बावजूद मुख्यमंत्री श्रीनगर में उनके (केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य के) साथ थे। उन्होंने कहा, मैं सभी के लिए बोलता हूं – हिंदू, मुसलमान। अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुसलमानों के बारे में बात कर सकते हैं, तो मैं हिंदुओं के बारे में क्यों नहीं बोल सकता? भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया कि अगर भाजपा वास्तव में हिंदुओं की बात करती है तो उसने मंदिरों के पास से शराब की दुकानें क्यों नहीं हटवाईं।

मलिक ने कहा, अगर मैं ऐसे मुद्दे उठाता हूं, तो क्या मैं हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहा हूं? भाजपा चुनाव जीतने के लिए धार्मिक कार्ड खेल रही है। मलिक ने सईद पर जम्मू कश्मीर में भाजपा को सत्ता में लाने का दोषी होने का आरोप भी लगाया।

'आप' विधायक ने कहा, मैं मुफ्ती मोहम्मद सईद पर दिए गए अपने बयान पर कायम हूं... वे मुझे डरा नहीं सकते... उन्होंने मुस्लिम समुदाय को धोखा दिया है। मुफ्ती सईद की वजह से ही मैं इस हालत में हूं और भाजपा गुंडागर्दी कर रही है। अगर सदन में मेरी आवाज दबाई जा रही है और सदन के बाहर मुझ पर हमला हो रहा है, तो यह उन्हीं की वजह से है। दूसरी ओर, भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने मलिक पर निशाना साधते हुए कार्रवाई की मांग की तथा उनके खिलाफ कठोर जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) लगाने की भी मांग की। रंधावा ने कहा, उन्होंने अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। वह हमेशा हिंदुओं को गाली देते हैं। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे... विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने कहा कि 'आप' विधायक ने एक गुंडे की तरह व्यवहार करके संसदीय मानकों को गिराया है।

बांस की खेती को बढ़ावा देने में सहकारी क्षेत्र निभा सकता है महत्वपूर्ण भूमिका: पाशा पटेल

नई दिल्ली/भाषा। बढ़ते तापमान को लेकर चिंताओं के बीच, महाराष्ट्र राज्य कृषि मूल्य आयोग के चेयरमैन पाशा पटेल ने बृहस्पतिवार को जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय के रूप में बांस की खेती को बढ़ावा देने में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका की वकालत की। पटेल को 'बांस योद्धा' कहा जाता है। उन्होंने केंद्रीय सहकारिता, कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालयों के बीच समन्वित प्रयासों के माध्यम से बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने का आग्रह किया। पटेल ने पीटीआई-भाषा से कहा, हम पहले से ही तापमान में अत्यधिक वृद्धि देख रहे हैं। पृथ्वी को बचाने के लिए हमें अभी से कदम उठाने की जरूरत है। बांस के पर्यावरणीय लाभ पर प्रकाश डालते हुए पटेल ने बताया कि यह सालाना 60 टन प्रति हेक्टेयर तक कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) को सोख सकता है। यह दर कई वृक्ष प्रजातियों की तुलना में काफी अधिक है। इससे यह वायुमंडलीय सीओ2 के स्तर को कम करने के लिए एक प्रभावी माध्यम बन जाता है।

पक्षियों के पंख काटने के आरोप में 'एशियाड सर्कस' पर मामला दर्ज

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रूड़की में एक सर्कस कंपनी के मालिकों के खिलाफ पक्षियों के पंख काटने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस अधीक्षक कुश मिश्रा ने यहां बताया कि 'पीपुल्स फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया' द्वारा बुधवार को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर 'एशियाड सर्कस' के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी। शिकायत में 'एशियाड सर्कस' के मालिकों पर पक्षियों के पंख काटकर उन्हें विकृत करने का आरोप लगाया गया है। 'पेटा इंडिया' के 'क्रूअलिटी रिस्पांस' समन्वयक वीरेंद्र सिंह द्वारा दर्ज कराई गयी शिकायत में कहा गया है, ''एशियाड सर्कस, जो फिलहाल लाल कुर्ती कैंटोनमैंट रूड़की में अपना सर्कस चला रहा है, वह अपने प्रदर्शन के लिए विदेशी लुप्तप्राय जंगली पक्षियों जैसे 'मैका' और 'कॉकटू' का उपयोग कर रहा है। इन पक्षियों के पंख काटकर उन्हें विकृत कर दिया गया है।''

अमेरिका की शुल्क नीति के कारण भारत के सामने निर्यात बढ़ाने के अवसर : नितिन गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका की शुल्क नीति के कारण भारत के सामने दुनिया भर में अपना निर्यात बढ़ाने के अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करते हुए लॉजिस्टिक्स (माल के परिवहन एवं आपूर्ति का काम) खर्च घटाने की कोशिश कर रही है ताकि निर्यात के बाजार में चीन जैसे देशों को टक्कर दी जा सके। गडकरी ने इंदौर से करीब 30 किलोमीटर दूर पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में करीब 1,200 करोड़ रुपए की मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क परियोजना के जारी निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

इसके बाद उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, आपको पता है कि आज दुनिया में किस तरह की बातें हो रही हैं। अब अमेरिका ने जिस प्रकार के शुल्क लगाए हैं, उसके कारण हमारे सामने कई अवसर भी हैं कि हम आने वाले समय में दुनिया भर के देशों में अपना निर्यात बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लॉजिस्टिक्स का खर्च 14 से 16% है, जबकि चीन में यह आठ प्रतिशत और अमेरिका और यूरोप के देशों में 12 प्रतिशत के स्तर पर है। गडकरी ने कहा, चीन के मुकाबले भारत का लॉजिस्टिक्स खर्च करीब आठ प्रतिशत ज्यादा होने से हम निर्यात के मोर्चे पर प्रतिस्पर्धी नहीं बन पाते हैं। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स खर्च घटाने के लिए देश भर में लॉजिस्टिक्स पार्क, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

अगली पीढ़ी के कंप्यूटर चिप्स प्रकाश की गति से डेटा को संसाधित कर सकते हैं: नया शोध

नार्टिंघम (यूके)। आधुनिक युग का आधार हैं 'इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोचिप्स'। ये हमारे लैपटॉप, हमारे स्मार्टफोन, हमारी कारों और हमारे घरेलू उपकरणों में पाए जाते हैं। वर्षों से निर्माता उन्हें ज़्यादा शक्तिशाली और दक्षता वाले बना रहे हैं और इनके कारण हमारे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बेहतर काम करते हैं। लेकिन बढ़ती लागत और चिप के निर्माण की जटिलता के साथ-साथ कामकाज की सीमाओं के कारण अब मुश्किलें आ रही हैं और ऐसा तब हो रहा है जब कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से सामने आने के कारण बेहतर कंप्यूटिंग ताकत की आवश्यकता है।

मुझे ऐसा लगा जैसे कोई फिल्म चल रही हो: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने नाम की घोषणा पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद पर अपने नाम की घोषणा होने को लेकर रेखा गुप्ता ने अपनी प्रतिक्रिया को याद करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे कोई रील या फिल्म चल रही हो और इसके खत्म होने के बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा।

गुप्ता ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में नामित किये जाने के बारे में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कोई फोन कॉल या संदेश नहीं मिला था, बल्कि सीधे घोषणा कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में रामलीला मैदान में शपथ लेने के बाद मुझे यह आश्वस्त करने के लिए खुद को चिकोटी काटनी पड़ी कि यह कोई सपना तो नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''तब मुझे लगा कि मैं यहां हूं और मुझे मुख्यमंत्री के रूप में काम करना है।''

गुप्ता ने कहा कि समाचार चैनलों ने जब उनका नाम मुख्यमंत्री पद के लिए शीर्ष दावेदार के रूप में दिखाना शुरू किया तब उन्हें पता चला कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं। उन्होंने कहा, ''बाद में विधायक दल की बैठक में यह स्पष्ट हो गया। तब तक मुझे पार्टी या कहीं और से कोई संदेश नहीं मिला था।''

सुषमा स्वराज के बाद दिल्ली में भाजपा की दूसरी महिला मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि विधायक दल की बैठक के दौरान उन्होंने भगवान से प्रार्थना की थी कि उन्हें केवल वही जिम्मेदारियां दें जिन्हें वह निभा सकें। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं सोच रही थी कि मैं मुख्यमंत्री बन जाऊंगी। इसके बजाय मैं यह सोच रही थी कि यदि मैं संयोग से मुख्यमंत्री बन गई तो क्या होगा? मैं सोच रही थी 'हे भगवान, मुझे बस वही देना जो मैं संभाल सकती हूं'।''

गुप्ता ने कहा कि जब भाजपा ने उन्हें शीर्ष पद पर बिठाने का फैसला किया, तो उन्हें एहसास हुआ कि उन पर नई जिम्मेदारी आ गई है। उन्होंने कहा, ''तब से मैं लगातार यह जिम्मेदारी निभाने की कोशिश कर रही हूं।''

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें किसी ने फोन करके बताया था कि उन्हें मुख्यमंत्री नियुक्त किया जायेगा, गुप्ता ने कहा, ''मुझे किसी ने कोई फोन नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि अब व्यवस्था बदल गई है। उन्होंने कहा कि पहले लोग टेलीफोन के पास बैठकर कॉल का इंतजार करते थे और कहीं नहीं जाते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं कॉल छूट न जाए।

राणा को भारत में निश्चित रूप से दोषी ठहराया जाएगा, संभवतः उसे मृत्युदंड मिलेगा: पिल्लई

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व गृह सचिव गोपाल कृष्ण पिल्लई ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को निश्चित रूप से देश में दोषी ठहराया जाएगा और संभवतः उसे इस जघन्य आतंकवादी कृत्य में शामिल होने के लिए मौत की सजा भी दी जाएगी।

राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राणा डेविड कोलमैन हेडली का सहयोगी था, जो वर्ष 2008 में 26 नवंबर के हमलों में शामिल था। पिल्लई ने कहा, ''राणा वह व्यक्ति था जिसने मुंबई में (अपनी फर्म का) आव्रजन कार्यालय स्थापित किया था, जिसमें डेविड हेडली को काम दिया गया और फिर उसे भारत आने के लिए वीजा मिला। राणा और हेडली बहुत करीब थे और उन्हें घटनाक्रम की जानकारी थी। इसलिए भारत में उससे पूछताछ में यह बात सामने आएगी और हेडली ने उसे क्या बताया था।'' उन्होंने कहा कि राणा वह व्यक्ति नहीं है जिसने ताज होटल और अन्य स्थानों का सर्वेक्षण किया था जहां आतंकवादी आये थे।

डीपीडीपी अधिनियम की धारा 44(3) आरटीआई को कमजोर करती है, इसे निरस्त किया जाये : 'इंडि' गठबंधन

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडि' ने 'डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण' (डीपीडीपी) अधिनियम की धारा 44(3) को निरस्त करने की मांग करते हुए दलील दी कि यह सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून को कमजोर करती है।

किसी भी व्यक्ति के बारे में व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा करने पर रोक लगाने वाली धारा और आरटीआई अधिनियम पर इसके प्रभाव को लेकर नागरिक समाज समूहों द्वारा चिंता जताए जाने के बीच, विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि जब यह अधिनियम लोकसभा में पारित किया जा रहा था, तब सरकार ने इसमें कुछ संशोधन पेश किए, जिससे विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की सिफारिशों को पलट दिया गया। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने यहां 'इंडिया' गठबंधन नेताओं के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता जॉन ब्रिटास, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता टीआर बालू समेत 120 से अधिक सांसदों ने इस धारा को निरस्त करने के लिए एक संयुक्त ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और इसे सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव को सौंपा जाएगा।

वर्ष 2023 में संसद में विधेयक पारित होने की चर्चा करते हुए गोगोई ने कहा, ''एक जेपीसी गठित की गई थी, विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी और बाद में सरकार, जैसा कि उसकी आदत रही है, जब वह विधेयक पारित करने जा रही होती है तो कुछ संशोधन लाती है, जिससे जेपीसी रिपोर्ट की प्रकृति मौलिक रूप से बदल गई है।'' उन्होंने कहा, ''यह विधेयक ऐसे समय पारित किया गया जब पूरा देश मणिपुर के संदर्भ में लाये गये अविश्वास प्रस्ताव को देख रहा था। इसलिए यह महत्वपूर्ण विधेयक, जिस पर विचार-विमर्श और चर्चा होनी चाहिए थी, सरकार ने इसे पारित करा लिया और तब से हम अधिनियम के विभिन्न निहितार्थों का अध्ययन कर रहे हैं और जैसा कि हमने स्पष्ट रूप से समझा है, हालिया संशोधनों का नागरिकों के अधिकारों और प्रेस की स्वतंत्रता पर कठोर प्रभाव पड़ा है।''

अमित शाह के भ्रष्टाचार के आरोपों पर द्रमुक का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने परिसीमन मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भ्रष्टाचार संबंधी टिप्पणी को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि शाह जब भी तमिलनाडु आते हैं, तो राज्य की तत्कालीन सरकार की आलोचना करते हैं। शाह शुक्रवार को चेन्नई में होंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कामकाज की समीक्षा तथा 2026 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले गठबंधन पर भी चर्चा कर सकते हैं।

द्रमुक के वरिष्ठ नेता और संगठन सचिव आर एस भारती ने शाह की टिप्पणी को 'झूठ' करार दिया। भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आने पर भ्रष्टाचार को समाप्त करने का वादा किया था, लेकिन वह 'केवल विपक्षी दलों को दबाने के लिए भ्रष्टाचार के आरोपों का इस्तेमाल कर रहे हैं।'

भारती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने 2023 में विभिन्न केंद्रीय पहलों में 7.50 लाख करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं की ओर इशारा किया था।

द्रमुक के संगठन सचिव ने कहा, ''अमित शाह जब भी तमिलनाडु आते हैं, तो वह राज्य में शासन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भ्रष्ट बताते हैं। उन्होंने 2018 में ऐसा ही किया था, जब उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु सबसे भ्रष्ट राज्य है। '' उन्होंने बताया कि उस समय राज्य में ई के पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक का शासन था।

द्रमुक नेता ने अन्नाद्रमुक के कुछ पूर्व मंत्रियों की संपत्तियों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) की छापेमारी की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि उन मामलों की स्थिति क्या है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, क्या शाह अपने तमिलनाडु दौरे के समय इस पर स्पष्टीकरण देंगे? अन्नाद्रमुक से जुड़ी ये सीबीआई, ईडी की सभी छापेमारी केवल एक नाटक है। इससे पहले तमिलनाडु में परिसीमन के मुद्दे पर बात करते हुए शाह ने कहा कि राज्य सरकार अपने 'व्यापक' भ्रष्टाचार को 'छिपाने' के लिए इन मुद्दों को उठा रही है।

प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं अधिक प्रभावित कर रही : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलिंगटन (तमिलनाडु)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं अधिक प्रभावित कर रही है और युद्ध की परंपरागत धारणाएं नये सिरे से परिभाषित की जा रही हैं। तमिलनाडु के वेलिंगटन में रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) के 80वें स्टाफ कोर्स के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि युद्ध भूमि में तकनीकी नवाचार की ताकत वाकई अद्भुत है।

उन्होंने कहा, आज प्रौद्योगिकी भू-राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को पहले से कहीं ज्यादा प्रभावित कर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, सैन्य स्वायत्तता, ड्रोन विज्ञान, क्वांटम, ब्लॉक चेन, अंतरिक्ष, साइबर सहित अन्य उभरती प्रौद्योगिकियां प्रतिरोध और युद्ध लड़ने के तौर-तरीके में क्रांति ला रही हैं। युद्ध अब जमीन, समुद्र और आकाश जैसे परंपरागत क्षेत्रों से परे अंतरिक्ष, साइबर, समुद्र के नीचे और रचनात्मकता के नये क्षेत्रों में लड़े जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, उदाहरण के लिए, ड्रोन विज्ञान यूक्रेन-रूस संघर्ष में एक परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी के रूप में नहीं, बल्कि एक नये हथियार के रूप में उभरा है। सैनिकों और उपकरणों की अधिकांश क्षति के लिए पारंपरिक तोपों या कमजोर सुरक्षा कवच को नहीं, बल्कि ड्रोन को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने कहा, इसी तरह, पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरिक्ष क्षमताएं सैन्य खुफिया जानकारी, सतत निगरानी, तैनाती, लक्ष्य निर्धारण और संचार के तरीके में बदलाव ला रही हैं तथा युद्ध को एक नयी ऊंचाई पर ले जा रही हैं। युद्ध भूमि में तकनीकी नवाचार की ताकत वास्तव में अद्भुत है। राजनाथ ने कहा कि वर्तमान में जारी संघर्ष और समकालीन रुझान इस तथ्य को उजागर करते हैं कि युद्ध की परंपरागत धारणाएं नये सिरे से परिभाषित की जा रही हैं। उन्होंने कहा, मानवरहित प्रणालियों और

एआई आधारित पूर्वानुमान की शुरुआत के साथ उभरती प्रौद्योगिकियां युद्ध के चरित्र को प्रभावित कर रही हैं। आज युद्ध जमीन, समुद्र और आकाश के परंपरागत युद्धक्षेत्रों से परे चला गया है। सशस्त्र बलों के लिए एक बहुआयामी माहौल में संयुक्त रूप से काम करना अधिक जरूरी हो जाएगा, जहां साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध परंपरागत युद्धों की तरह ही घातक होंगे।

राजनाथ ने कहा, हम 'ग्रे जोन' और 'हाइब्रिड' (मिश्रित) युद्ध के युग में हैं, जिसमें साइबर हमले, गलत सूचना अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे हथियार बनकर उभरे हैं, जिनके जरिये एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य उद्देश्य पूरे किए जा सकते हैं। 'ग्रे जोन' का मतलब ऐसे कालखंड से है, जहां युद्ध और शांति के बीच के समय में राज्य और राज्येतर तत्वों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की प्रतिस्पर्धा होती है। इसमें गैर-परंपरागत तरीकों और रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाता है, जो परंपरागत युद्ध के दायरे में नहीं आते। उन्होंने कहा कि भारत और पूरी दुनिया अलग-अलग तरह की सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा, हमारे मामले में, हम उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर लगातार चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे पड़ोस में आतंकवाद के केंद्र से छद्म युद्ध और दहशतगर्दी के खतरे कारण यह चुनौती और भी जटिल हो जाती है। उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और हमारे पूर्व में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव का प्रभाव हमारे समग्र सुरक्षा समीकरण पर पड़ रहा है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों सहित गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों से निपटने की क्षमता विकसित करना तेजी से अहम होता जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने से पहले राजनाथ ने यहां मद्रास रेजिमेंटल सेंटर के युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

राजनाथ सिंह ने कुन्नूर में शहीद सैनिकों को दी श्रद्धांजलि, युवा अधिकारियों को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुन्नूर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के कुन्नूर में वेलिंगटन छावनी के स्मारक चौक पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए जान कुर्बान करने वाले सैनिकों को याद किया। यह दौरा आर्मी ट्रेनिंग कॉलेज में पासिंग-आउट परेड के मौके पर हुआ, जिसमें राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान शामिल हुए। इस आयोजन में भारत और मित्र देशों के युवा सैन्य अधिकारियों ने एक साल का प्रशिक्षण पूरा किया।

वेलिंगटन में मद्रास रेजिमेंट सेंटर (एमआरसी) और आर्मी ट्रेनिंग कॉलेज जैसे बड़े सैन्य प्रशिक्षण केंद्र हैं। यह कॉलेज भारतीय सैन्य अधिकारियों के साथ-साथ 50 से ज्यादा देशों के करीब 500 प्रशिक्षुओं को ट्रेनिंग देता है, जिसमें चीन और पाकिस्तान शामिल नहीं हैं। पासिंग-आउट परेड में प्रशिक्षण पूरा करने वाले इन युवा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। मंत्री के दौरे के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कॉलेज के पाइन गेस्ट हाउस में गणमान्य लोगों का स्वागत हुआ।

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा, मैं आज यहां भारत और मित्र देशों के युवा सैन्य नेताओं के बीच हूं। आप सभी ने कोर्स पूरा किया, इसके लिए बधाई। आप देश की सुरक्षा और तरक्की के लिए तैयार हैं। मुझे आप पर गर्व है। उन्होंने हाल ही में म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप का जिक्र करते हुए कहा, भारत हमेशा मुश्किल वक्त में दोस्तों के साथ खड़ा रहता है। हमने म्यांमार को राहत पहुंचाई, यह हमारा कर्तव्य है।

उन्होंने युवा अधिकारियों से कहा, आप भविष्य के सैन्य नेता हैं। आपको बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। आज दुनिया तेजी से बदल रही है। डिजिटल सुरक्षा, तकनीक और नई चुनौतियां आपके सामने होंगी। इनसे निपटने के लिए आपको तैयार रहना होगा। अपने देश और लोगों के लिए बेहतर भविष्य बनाना आपका लक्ष्य है। राजनाथ सिंह ने वैश्विक बदलावों पर जोर देते हुए कहा, तकनीक और नवाचार आज दुनिया को प्रभावित कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इनका सही इस्तेमाल जरूरी है। आपको इनके फायदे और नुकसान दोनों समझने होंगे।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से जांच में मजबूती आएगी : एनआईए टीम के पूर्व पुलिस अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। मुंबई आतंकी हमलों की जांच करने वाली एनआईए टीम में शामिल रहे केरल के पूर्व पुलिस प्रमुख लोकनाथ बेहरा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण से हमलों के पीछे की व्यापक साजिश को उजागर करने के प्रयासों को काफी मजबूती मिलेगी। बेहरा राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) में महानिरीक्षक के रूप में कार्यरत थे और उन्होंने आतंकी हमलों की जांच की निगरानी की थी।

उन्होंने कहा कि राणा को भारत लाए जाने से जांच एजेंसियों को यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या 2008 के मुंबई हमलों में और लोग भी शामिल थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत खुश हूं कि एनआईए द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के 14 साल बाद राणा को अंततः प्रत्यर्पित कर दिया गया। उसके खिलाफ 2011 में दिल्ली में उसकी अनुपस्थिति में आरोपपत्र दाखिल किया गया था।''

बेहरा ने कहा कि भारतीय एजेंसियों को पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी से पूछताछ करने का कभी मौका नहीं मिला, जिससे उसका प्रत्यर्पण और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा, ''भारतीय जांचकर्ता और अन्य एजेंसियां अब बड़ी साजिश के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकती हैं, जो मुंबई हमलों से भी आगे तक जाती है।''

बेहरा ने कहा कि जांचकर्ताओं को इस बात के सबूत मिले हैं कि राणा ने कोच्चि का दौरा किया था और साक्षात्कार आयोजित किए थे। बेहरा वर्तमान में कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि राणा को भारत लाए जाने से उस पर सफल मुकदमा चलाया जा सकेगा और उसे अधिकतम सजा दी जा सकेगी।

टीसीएस ने आरती सुब्रमण्यन को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने आरती सुब्रमण्यन को कार्यकारी निदेशक – अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उनका कार्यकाल एक मई, 2025 से शुरू होकर पांच साल के लिए रहेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस नियुक्ति को कंपनी के शेयरधारकों से मंजूरी मिलनी बाकी है।

कंपनी ने कहा, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर निदेशक मंडल ने आज एक मई, 2025 से 30, अप्रैल 2030 तक पांच साल की अवधि के लिए आरती सुब्रमण्यन को कंपनी के कार्यकारी निदेशक – अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति कंपनी के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, सुब्रमण्यन टाटा संस में मुख्य डिजिटल अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, जो प्रमुख निवेश होल्डिंग कंपनी और टाटा एंटरप्राइजेज की प्रवर्तक है। टीसीएस ने मंगेश साठे को मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त करने की भी घोषणा की।

कोयंबटूर में आठवीं की छात्रा ने कक्षा के बाहर परीक्षा दी, प्राचार्य निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक माध्यमिक स्कूल की आठवीं की एक छात्रा को उसके पहले मासिक धर्म के कारण सीढ़ियों पर बिठाकर वार्षिक परीक्षा दिलाये जाने की घटना के बाद प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया है। अनुसूचित जाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाली लड़की का स्कूल परिसर की सीढ़ियों पर अपनी आखिरी परीक्षा देने का वीडियो बुधवार को वायरल होने के बाद, पोलाची की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सृष्टि सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने जांच की।

वीडियो वायरल के बाद, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जिले के पोलाची के पास सेंगुट्टईपलायम में स्कूल के प्रबंधन से स्पष्टीकरण मांगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने बताया, निजी स्कूल के खिलाफ विभागीय जांच की गई है। स्कूल प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंत्री ने कहा, किसी भी रूप में बच्चों के खिलाफ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। प्रिय छात्र, आप अकेले नहीं हैं! हम आपके साथ खड़े हैं। लड़की के पिता ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी बेटी को पिछले सप्ताह पहली बार मासिक धर्म शुरू हुआ था और वह इस सप्ताह होने वाली अपनी अंतिम परीक्षा देने के लिए स्कूल जाना चाहती थी।

उन्होंने कहा, हमने स्कूल प्रशासन से उसे परीक्षा में मदद करने के लिए एक अलग मेज और कुर्सी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। लेकिन, स्कूल ने इसकी व्यवस्था नहीं की। उसे अपनी कक्षा के बाहर सीढ़ियों पर बैठकर लिखने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि लड़की के पैर में दर्द भी हो गया, क्योंकि उसे सीढ़ियों पर दो घंटे से अधिक समय तक लगातार बैठना पड़ा।

केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल की तरह वक्फ अधिनियम को 'खारिज' करे : केरल मुस्लिम समूह

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में मुस्लिम संगठनों ने राज्य की वामपंथी सरकार और विपक्षी दलों से एक संयुक्त प्रस्ताव पारित करने का आह्वान किया है, जिसमें यह कहा जाए कि राज्य में विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। मुस्लिम संगठनों का कहना है कि राज्य को तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की तर्ज पर ऐसा करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि वह अपने राज्य में इस अधिनियम को लागू नहीं करेंगी, जबकि तमिलनाडु विधानसभा ने संसद द्वारा पारित किए जाने से पहले ही केंद्र से वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) इस कानून को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी।

साउथ केरल जमीयतुल उलमा के महासचिव टी. मुहम्मद कुंजी मौलवी ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, स्टालिन पहले ही घोषणा कर चुके हैं और उनकी विधानसभा ने वक्फ संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर दिया है। हम मांग करते हैं कि केरल सरकार भी ऐसा प्रस्ताव पारित करे। हाल ही में पारित कानून के विरोध में बृहस्पतिवार को केरल में राजभवन तक मार्च निकालने वाले कई अन्य मुस्लिम संगठनों ने भी यही मांग की है। मुस्लिम नेताओं ने इस संशोधन को देश से मुसलमानों को मिटाने और उनकी सभी संपत्तियों को जब्त करने का प्रयास बताया है।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने बृहस्पतिवार को राज्य इकाई के अध्यक्ष पद के आवेदन आमंत्रित किए। यह आवेदन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चेन्नई दौरे के समय आमंत्रित किए गए है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी 11 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा करेगी। के अन्नामलाई ने पहले कहा था कि वह इस पद की दौड़ में नहीं हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या नेतृत्व में कोई बदलाव हुआ है, अन्नामलाई ने मुस्कुराते हुए संवाददाताओं से कहा, आपको कल आधिकारिक तौर पर बताया जाएगा। अभी मैं यही कहूंगा कि अमित शाह जी आज रात चेन्नई आ रहे हैं और वह कल राज्य में हो रही गतिविधियों का जायजा लेंगे। उन्होंने कहा कि शाह पार्टी सदस्यों से सीधी प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। पार्टी ने प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद और राष्ट्रीय महासमिति के सदस्यों के लिए उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। पार्टी ने घोषणा की, नामांकन पत्र कल (11 अप्रैल) पार्टी के राज्य मुख्यालय कमलालयम में राज्य निर्वाचन अधिकारी एम चक्रवर्ती प्राप्त करेंगे। शीर्ष पदों के लिए चुनाव के वास्ते नामांकन पत्र पार्टी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। पार्टी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इच्छुक सदस्य कल (11 अप्रैल) दोपहर दो बजे से शाम चार बजे के बीच राज्य मुख्यालय में विधिवत भरे हुए फॉर्म डाउनलोड करके जमा कर सकते हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि चुनाव परिणाम 12 अप्रैल को घोषित किए जाएंगे।

पीएमके संस्थापक रामदॉस ने पार्टी की कमान संभालने की घोषणा की, बेटे को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया

विल्लुपुरम। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस रामदॉस ने एक आकस्मिक घटनाक्रम में बृहस्पतिवार को पार्टी की पूरी बागडोर संभालने की घोषणा की और अपने अध्यक्ष बेटे अंबुमणि रामदॉस को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। एस रामदॉस ने कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी में फेरबदल करना पड़ा। उन्होंने कहा, ''मैंने 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक कार्ययोजना तैयार की है। उसे क्रियान्वित करने के लिए, मैं पीएमके का पुनर्गठन करना आवश्यक समझता हूं।''

एस रामदॉस ने अपने थाईलापुरम स्थित आवास पर संवाददाताओं से कहा, मैं यह घोषणा पूरे दिल से कर रहा हूं। पीएमके संस्थापक के रूप में, मैं इसके अध्यक्ष का पद संभाल रहा हूं और डॉ. अंबुमणि रामदॉस को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे, पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि चुनाव में पार्टी की जीत के लिए प्रयास करेंगे। एस रामदॉस ने यह भी कहा कि पूर्व अध्यक्ष जी के मणि पार्टी के मानद अध्यक्ष होंगे। उनकी यह आकस्मिक घोषणा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चेन्नई दौरे से पहले हुई है। गत 29 दिसंबर, 2024 को अंबुमणि ने अपने पिता एस रामदॉस द्वारा नाती पी मुकुंदन को पीएमके की युवा शाखा का सचिव नियुक्त किए जाने का खुलकर विरोध किया था। मुकुंदन, रामदॉस की सबसे बड़ी बेटी गांधीमती के बेटे हैं।

बृहस्पतिवार को, संवाददाताओं के साथ बातचीत में में 85 वर्षीय रामदॉस ने कहा कि अधिकारों की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने के कारण उन्हें जेल में डाला गया था और राज्य की केंद्रीय जेलों में रखा गया था। उन्होंने कहा, इससे मेरे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ा। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं के सक्रिय सहयोग और समर्थन से स्वस्थ हुआ। पीएमके ने तमिलनाडु में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के घटक दल के रूप में पिछला लोकसभा चुनाव लड़ा था।

बेटी के खिलाफ एसएफआईओ की कार्रवाई संबंधी सवालों पर विजयन को गुस्सा होने की जरूरत नहीं : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को अपनी बेटी के खिलाफ एसएफआईओ की कार्रवाई के संबंध में मीडिया के सवालों पर गुस्से में प्रतिक्रिया देने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें अपने पद के चलते आरोपों और आलोचनाओं का सामना करना ही पड़ेगा।

सतीशन ने राज्य की राजधानी में सचिवालय के बाहर आशा कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के जारी विरोध प्रदर्शन के संबंध में भी मुख्यमंत्री के रुख की आलोचना की और विजयन की प्रतिक्रिया को ''अत्यंत निराशाजनक'' करार दिया। वह बुधवार शाम तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया के प्रश्नों पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया का जिक्र कर रहे थे।

नेता प्रतिपक्ष ने यहां कोडानाड में संवाददाताओं से कहा कि जब मीडिया ने विजयन से उनकी बेटी वीना टी के खिलाफ ''अवैध भुगतान'' घोटाले में गंभीर कपट ''अन्वेषण कार्यालय' (एसएफआईओ) की कार्रवाई के बारे में सवाल किया तो उन्होंने गुस्से में प्रतिक्रिया व्यक्त की।

सतीशन ने कहा, उन्हें इस तरह की प्रतिक्रिया देने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्हें कानूनी तौर पर मामले का सामना करना चाहिए। हमें इससे कोई समस्या नहीं है। जब तक वह मुख्यमंत्री हैं, उन्हें आलोचनाओं और आरोपों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए मीडिया या विपक्ष पर गुस्सा करने का कोई मतलब नहीं है।

एसएफआईओ जांच और विपक्ष द्वारा इस्तीफे की मांग किए जाने के बारे में मीडिया के सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा, आप मेरे इस्तीफे की उम्मीद कर सकते हैं और मुझे पता है कि आप मुझे खत्म करना चाहते हैं, लेकिन यह आसानी से नहीं होगा।

गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदारों की खैर नहीं : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री निवास पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स कंटीन्जेंसी प्लान के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीएचईडी के फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहें और बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने, पुराने हैण्डपम्प, नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य 15 मई से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिला कलक्टरों को एक-एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड उपलब्ध करवाया गया है। अधिकांश जिलों में इस फंड का उपयोग करते हुए स्वीकृतियां

जारी कर कार्य शुरू कर दिये गए हैं। उन्होंने शेष जिलों के जिला कलक्टरों को भी स्वीकृतियां शीघ्र जारी कर कार्य दी गई समयसीमा में पूरा करवाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 मई से पहले गत वर्ष बजट में स्वीकृत सभी हैंडपम्प और नलकूपों को चालू कर दिया जाए तथा इस बजट में स्वीकृत किए गए 1000 नए नलकूप और 2500 नए हैण्डपम्प की वित्तीय स्वीकृति भी जल्द जारी कर कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। बैठक में बताया गया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए अप्रैल माह में 2 लाख 35 हजार से अधिक हैण्डपम्पों की मरम्मत की गई है। गत वर्ष बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 5 नलकूप और 10 हैण्डपम्प स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 800 से अधिक नलकूप और 1400 हैण्डपम्प इस माह के अंत तक क्रियाशील हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 142 करोड़ रुपए के 1244 कार्य और शहरी क्षेत्रों में 68 करोड़ रुपए के 153 कार्य स्वीकृत कर जरूरत के अनुसार नलकूपों की गहराई बढ़ाने, पाइप लाइन डालने और बदलने तथा पम्पसेट आदि की मरम्मत के काम करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अभी तक भी प्रारम्भ नहीं हुए हैं, वे 10 दिन के भीतर शुरू कर आगामी 15 मई से पहले पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जुलाई तक गर्मी के पीक सीजन में टैंकरों से पेयजल की मांग पूरी करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 82 करोड़ और शहरी क्षेत्र में 25 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएचईडी अधिकारी बिजली विभाग के अधिकारियों से समन्वय बना कर रखें ताकि पीक लोड के कारण बिजली ट्रिपिंग, फॉल्ट आदि की स्थिति में भी नलकूपों की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हो। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में नहरबंदी के दौरान भी पेयजल की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, इसके लिए उन्होंने स्वयं हनुमानगढ़ और गंगानगर के दौरे के दौरान अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा की है। पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नहरबंदी के दौरान पहले माह में आंशिक क्लोजर ही रखा गया है और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

आमजन को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो दिवसीय हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर दौरे के तहत श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने पावर स्टेशन का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विद्युत उत्पादन के लिए संचालित इकाइयों का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए जिससे ग्रीष्म ऋतु में किसानों व आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

शर्मा ने पावर स्टेशन के कॉन्फ्रेंस हॉल में बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि पॉवर स्टेशन के सभी तकनीकी पहलुओं का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए जिससे ब्रेक-डाउन जैसी स्थिति के कारण विद्युत उत्पादन प्रभावित नहीं हो तथा तकनीकी खराबी के कारण उत्पादन इकाइयों के शट डाउन जैसी स्थिति से बचा जा सके। उन्होंने सभी इकाइयों की विद्युत उत्पादन क्षमता की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नवीन तकनीक से कम लागत में प्रदेश के बिजली उत्पादन की क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में सूरतगढ़ थर्मल पावर स्टेशन में 125/250 मेगावॉट ऑवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की स्थापना के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। वहीं, आरवीयूएनएल एवं कोल इंडिया के संयुक्त उपक्रम द्वारा सूरतगढ़ थर्मल पॉवर स्टेशन में 100 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एमओयू किया जा चुका है। इन अहम निर्णयों से राज्य सरकार का किसानों को दिन में बिजली देने का संकल्प पूरा होगा।

इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सीएमडी देवेन्द्र शृंगी, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव (पश्चिम) अमरजीत सिंह, सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन के चीफ इंजीनियर के.सी. सिंघल सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के संदेशों में निहित है जीवन का सार : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने गुरूवार को अलवर में महावीर जयन्ती के पावन पर्व पर सकल जैन समाज द्वारा आयोजित शोभायात्रा एवं महाआरती कार्यक्रम में शिरकत की। शर्मा ने महावीर जयन्ती की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान महावीर जी ने सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह आदि मूल्यों पर बल दिया।

उनके प्रवचनों का सार त्याग, संयम, प्रेम, करूणा और सचादार में निहित है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर जी की शिक्षाएं अहिंसा के माध्यम से मुक्ति का मार्ग दिखाती हैं। भगवान महावीर ने अहिंसा का पालन शारीरिक, मानसिक और वाचिक रूप से करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जब दुनिया में तनाव व वैमन्स्य फैल रहा है तो भगवान महावीर का यह संदेश हमें अपने भीतर के अंहिसा के भाव को जाग्रत करने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर जी ने शांति, सद्भावना और मानव सेवा का संदेश देकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया है। वन मंत्री ने कहा कि भगवान महावीर जी के इन गुणों को सभी लोगों को आत्मसात करना चाहिए।

शर्मा ने शोभायात्रा के दौरान श्रृद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की एवं महाआरती में शामिल होकर भगवान महावीर जी से प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

अलवर में दलित समाज ने पूर्व विधायक आहूजा के खिलाफ निकाली रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर में दलित समाज ने गुरुवार को स्वाभिमान न्याय रैली निकालकर पूर्व विधायक ज्ञान देव आहूजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से बर्खास्त करने की मांग की। यह रैली अंबेडकर सर्किल से शुरू हुई और जिला कलेक्टर तक पहुंची। रैली में दलित समाज के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता अंबेडकर सर्किल पर एकत्र हुए और अंबेडकर मूर्ति पर माला अर्पण कर आहूजा के खिलाफ प्रदर्शन किया।

रैली में कार्यकर्ताओं ने पट्टियां अपने हाथों में ली हुई थी, जिसमें ज्ञान देव आहूजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और पार्टी से बर्खास्त करने की मांग की गई। इसके बाद कार्यकर्ता भगत सिंह चौराहे रुके, जहां पर भगत सिंह मूर्ति को माल्यार्पण किया। प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। दलित नेता सूरजमल कर्दम ने बताया कि भाजपा नेता आहूजा ने जिस तरीके का बयान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीकाराम जूली के बारे में कहा है और उनके मंदिर प्रवेश के बाद गंगाजल का छिड़काव किया है। यह दलितों का विरोध है, दलित समाज इसके लिये उनको कभी माफ नहीं करेगा। आज दिये ज्ञापन के माध्यम से उनको पार्टी से बर्खास्त करने और मुकदमा दर्ज करने की मांग की गयी है।

युवक की हत्या के आरोप में पत्नी एवं उसका प्रेमी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में एक युवक की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी एवं एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपी युवक इस महिला का कथित प्रेमी है। अजमेर की जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि मंगलवार को नसीराबाद के पास मस्तान चीता का शव मिला तथा जांच के बाद उसकी पत्नी जनता (29) और बशीर खान (29) को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि जनता और बशीर खान एक साल से एक दूसरे के संपर्क में थे तथा कुछ समय पहले वह उसके साथ भाग गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने उन्हें (जनता एवं बशीर को) ढूंढ निकाला था और जनता फिर से अपने पति मस्तान के साथ रहने लगी। उन्होंने बताया, (इसी बीच) महिला ने अपने प्रेमी बशीर के साथ मिलकर मस्तान को खत्म करने की साजिश रची। मस्तान को कुछ पैसों की जरूरत थी और पैसे उधार देने के बहाने बशीर ने उसे सोमवार शाम नसीराबाद रोड के पास बुलाया। जब दोनों मिले तो उन्होंने साथ में शराब पी। साजिश के मुताबिक बशीर ने कम शराब पी और मस्तान को ज्यादा शराब पिलाई।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मस्तान के नशे में धुत होने पर बशीर ने चाकू से उसका गला रेत दिया लेकिन अधिक नशे में होने के कारण वह (मस्तान) अपना बचाव नहीं कर सका । उन्होंने बताया कि जनता और बशीर की संलिप्तता की ओर इशारा करने वाले सबूत मिलने के बाद पुलिस ने उन दोनों को हिरासत लिया और पूछताछ की। राणा ने बताया, महिला हत्या की साजिश रचने में शामिल थी। मामले की जांच की जा रही है। अपराध में किसी अन्य व्यक्ति के शामिल पाए जाने पर उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा।

स्वागत

भीलवाड़ा में गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ का भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीति, विचार और सेवा भावना को और अधिक प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

मेट्रो विस्तार से जयपुर में यातायात प्रबंधन को मिलेगी मजबूती : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मेट्रो कॉरिडोर (फेज-2) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेट्रो फेज-2 की डीपीआर में प्रस्तावित सीतापुरा से अंबाबाड़ी तथा विद्याधर नगर तक भविष्य की आवश्यकता तथा आमजन की सुगमता को देखते हुए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएं।

उन्होंने कहा कि जयपुर एक ऐतिहासिक और तेजी से बढ़ता शहर है और मेट्रो का विस्तार यहां की बढ़ती आबादी और यातायात दबाव को संतुलित करने में अहम भूमिका निभाएगा। राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुरवासियों के लिए सुगम एवं अत्याधुनिक परिवहन तंत्र विकसित किया जाए जिससे जयपुर स्मार्ट सिटी की दिशा में देशभर में मॉडल शहर बने। शर्मा ने कहा कि मेट्रो फेज-2 के तहत प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाये ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने मेट्रो की डीपीआर में प्रस्तावित रूट, अनुमानित लागत, परियोजना की व्यवहार्यता तथा वित्तीय मॉडल की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परियोजना में आमजन की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए रूट का निर्धारण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशन ऐसे स्थानों पर बनाए जाएं जो आम लोगों की पहुंच में हों, और इसके साथ-साथ रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट के नजदीक मेट्रो स्टेशन बनाया जाना सुनिश्चित करें जिससे मेट्रो की उपयोगिता अधिकतम हो। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने मेट्रो परियोजना के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के सीएमडी वैभव गालरिया, जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त श्रीमती आनंदी सहित जयपुर मेट्रो से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जसोलधाम में त्रयोदशी पर्व पर श्रद्धा और भक्ति का अभूतपूर्व संगम, हजारों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालोतरा। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर राणी भटियाणी मंदिर संस्थान (जसोलधाम) में एक बार फिर श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। दूर-दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ ने जसोलधाम को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। अलसुबह से ही मंदिर परिसर में लंबी कतारें लग गईं। जैसे ही मंदिर के कपाट खुले, भक्तों ने जयकारों के साथ मां के दरबार में दर्शन का शुभारंभ किया।

इस पावन अवसर पर मंदिर संस्थान की ओर से त्रयोदशी के दिन विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। राणीसा भटियाणीसा सहित परिसर में स्थित बायोसा, सवाईसिंह जी, लाल बन्ना सा, खेतलाजी तथा काला-गौरा भैरव जी के मंदिरों को विभिन्न रंग-बिरंगे फूलों और पारंपरिक सजावटी सामग्री से सुसज्जित किया गया। यह दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। भीषण गर्मी को देखते हुए मंदिर संस्थान ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए छायादार टेंट, शीतल पेयजल, फव्वारे और विश्राम स्थलों की उत्तम व्यवस्था की थी। व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कई भक्तों ने मंदिर संस्थान का आभार व्यक्त किया और इसे 'सुव्यवस्थित आयोजन की मिसाल' बताया।

त्रयोदशी के दिन लाभार्थी परिवार की ओर से विशाल अन्नपूर्णा प्रसाद एवं छप्पन भोग का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। यह पुण्य कार्य महेंद्र सिंह सुपुत्र स्व. महाराज सिंह भाटी (निवासी: संग्राम सिंह की ढाणी, भणियाणा, जैसलमेर; हाल निवासी: मधुबन कॉलोनी, बाड़मेर) द्वारा समर्पित भाव से संपन्न किया गया।

धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

पुष्कर से आए प्रसिद्ध नगारची कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। वहीं राजस्थान की पारंपरिक 'गैर नृत्य शैली' की प्रस्तुति ने ढोल की थाप और थाली की झंकार पर दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। बाड़मेर के हड़वा गाँव से आए मांगणियार कलाकारों की सुमधुर वाणी में प्रस्तुत भजनों ने भक्तों को भक्ति में सराबोर कर दिया।

एसआई भर्ती परीक्षा में 'डमी' के रूप में बैठने के आरोप में आरएएस अधिकारी गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती-2021 परीक्षा में दो व्यक्तियों के लिए 'डमी' परीक्षार्थी के रूप में बैठने के आरोप में राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त महानिदेशक (एसओजी) वी के सिंह ने बताया कि जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ के उपखंड अधिकारी (एसडीएम) हनुमानाराम को बुधवार रात जैसलमेर से जयपुर लाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने कहा, वह एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में दो उम्मीदवारों के लिए डमी उम्मीदवार के रूप में बैठा था। जांच के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सिंह के अनुसार इस आरएएस अधिकारी को जयपुर की एक अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। अतिरिक्त महानिदेशक ने कहा कि हनुमानाराम 2018 बैच का आरएएस अधिकारी है और उसे कल फिर पेश किया जाएगा। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 13 से 15 सितंबर 2021 तक पुलिस एसआई परीक्षा आयोजित की थी। एसओजी परीक्षा में अनियमितताओं की जांच कर रहा है।

कई इलाकों में बारिश व आंधी का अनुमान

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के कई हिस्सों में तेज आंधी व बारिश की संभावना बनी है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार, एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के कुछ भागों में अगले 2-3 दिन दोपहर बाद बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ, आंधी-बारिश की संभावना है और इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट होगी। विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज भी बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग में दोपहर बाद आंधी तथा हल्की बारिश की संभावना है। विक्षोभ का सर्वाधिक असर 11-12 अप्रैल को रहेगा। 11 अप्रैल को बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, जयपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है।

वहीं 12 अप्रैल को उदयपुर, अजमेर, जयपुर, कोटा, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ चलने व हल्की मध्यम बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 13 अप्रैल से अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

भाजपा नए वक्फ कानून को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वक्फ (संशोधन) अधिनियम के फायदों का प्रचार करने और विपक्ष की आलोचना का मुकाबला करने के लिए 20 अप्रैल से एक पखवाड़े तक के लिए जन जागरूकता अभियान शुरू करेगी जिसमें विशेष रूप से मुसलमानों को लक्षित किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को पार्टी प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

देश भर के भाजपा पदाधिकारियों ने यहां एक कार्यशाला में भाग लिया। इसमें नड्डा ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे वोट बैंक की राजनीति के तहत संशोधित कानून के प्रावधानों के बारे में मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

नड्डा ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार वक्फ की संपत्तियों के पारदर्शी और कुशल प्रबंधन के साथ 'पसमांदा' (पिछड़े) मुसलमानों और महिलाओं को

प्रबंधन और कल्याण कार्यक्रमों में हितधारक बनाने के लिए दृढ़ है।

भाजपा शासित राज्यों के वक्फ बोर्डों के सदस्यों और पार्टी संगठन, जिसमें इसकी अल्पसंख्यक शाखा भी शामिल है, ने दिन भर की कार्यशाला में भाग लिया। नड्डा ने कहा कि आठ अप्रैल को लागू हुआ नया कानून वक्फ संपत्तियों का उपयोग गरीब मुसलमानों और महिलाओं के कल्याण के लिए करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह इन संपत्तियों को लोगों के एक छोटे लेकिन प्रभावशाली वर्ग के नियंत्रण से मुक्त करेगा और उन्हें अल्पसंख्यक समुदाय के समग्र लाभ के लिए खोल देगा।

नड्डा और रीजीजू ने इस आलोचना को खारिज कर दिया कि यह कानून मुसलमानों को प्राप्त धार्मिक मामलों के प्रबंधन के अधिकारों में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने कहा कि वक्फ परिषद और बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की उपस्थिति केवल संपत्तियों के प्रबंधन से संबंधित है और इसका धर्म से कोई लेना-देना नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल और पार्टी की अल्पसंख्यक शाखा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी उन नेताओं में शामिल हैं जिन्हें पांच मई तक चलने वाले अभियान की अगुआई का जिम्मा सौंपा गया है।

कई मुस्लिम संगठनों और विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने इस कानून की संवैधानिक वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जहां इस मामले की सुनवाई 16 अप्रैल को होनी है।

नौकरी जाने और पुलिस कार्रवाई के विरोध में 'योग्य' शिक्षकों ने कोलकाता में रैलियां निकालीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में करीब 500 योग्य शिक्षकों ने बृहस्पतिवार को शहर में रैली निकाली और मांग की कि उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें 'दागी' लोगों के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने हाल में लगभग 26,000 शिक्षकों की नियुक्ति को अमान्य करार दिया था।

'जोग्यो (योग्य) शिक्षक मंच' के एक प्रवक्ता महबूब मंडल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम योग्य शिक्षकों की मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। हम चाहते हैं कि 2016 में भर्ती परीक्षा में बैठने वाले और नियुक्ति पत्र पाने वाले योग्य और दागी उम्मीदवारों के बीच अंतर करने में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा नाकामी के लिए उन्हें दंडित न किया जाए।

मंडल ने कहा, शहर में जिला शिक्षा निरीक्षक के कार्यालय में एक ज्ञापन को सौंपने के लिए जाने के दौरान पुलिस ने हम पर लाठीचार्ज किया और एक पुलिस अधिकारी ने हमें लात मारी। हम राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण हमारी नौकरियों को छीने जाने के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध भी नहीं कर सकते। तो अब हम कहां जाएं? हम सड़कों पर हैं और कोई दूसरा विकल्प नहीं मिल रहा है।

यह पूछे जाने पर कि क्या वे एसएससी कार्यालय भवन के सामने योग्य शिक्षकों के दूसरे समूह के साथ क्रमिक भूख हड़ताल में शामिल होंगे, मंडल ने कहा, हम इस कार्यक्रम के बाद फैसला करेंगे।

मोदी सरकार ने शुरू नहीं की राणा की प्रत्यर्पण प्रक्रिया, संप्रग के प्रयासों का उसे लाभ हुआ : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार ने मुंबई हमले से जुड़े आतंकी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया न तो शुरू की थी और न ही उसने कोई नई सफलता हासिल की, बल्कि उसे संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय हुए कूटनीतिक प्रयासों का लाभ हुआ है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक के कठिन कूटनीतिक, कानूनी और खुफिया प्रयासों का नतीजा है। चिदंबरम ने कहा, ''26/11 मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य आरोपियों में से एक तहव्वुर हुसैन राणा को 10 अप्रैल 2025 को भारत प्रत्यर्पित किया गया, जबकि मोदी सरकार इस घटनाक्रम का श्रेय लेने के लिए होड़ में लगी है, सच्चाई उनके दावों से कोसों दूर है।''

उनका कहना है कि यह प्रत्यर्पण डेढ़ दशक की कठिन, परिश्रमी और रणनीतिक कूटनीति का परिणाम है, जिसकी शुरुआत, अगुवाई और निरंतरता संप्रग सरकार ने अमेरिका के साथ समन्वय द्वारा सुनिश्चित की। उनके मुताबिक, इस दिशा में पहली बड़ी कार्रवाई 11 नवंबर 2009 को हुई, जब एनआईए ने नई दिल्ली में डेविड कोलमैन हेडली (अमेरिकी नागरिक), राणा (कनाडाई नागरिक) और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया।

उन्होंने कहा, ''उसी महीने कनाडा के विदेश मंत्री ने भारत के साथ खुफिया सहयोग की पुष्टि की, जो संप्रग सरकार की कुशल विदेश नीति का सीधा परिणाम था। एफबीआई ने 2009 में राणा को शिकागो से गिरफ्तार किया, जब वह कोपेनहेगन में एक नाकाम आतंकी हमले की साजिश में लश्कर-ए-तैयबा की मदद कर रहा था। हालांकि जून 2011 में अमेरिकी अदालत ने उन्हें 26/11 हमले में सीधे शामिल होने के आरोप से बरी कर दिया, लेकिन अन्य आतंकी साजिशों में दोषी पाकर उन्हें 14 साल की सजा सुनाई।

नये वक्फ विधेयक के प्रावधानों पर पुनर्विचार करे केंद्र: मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को केंद्र से नये वक्फ विधेयक के प्रावधानों पर पुनर्विचार करने और फिलहाल के लिए इसे निलंबित रखने का आह्वान किया।

मायावती ने कहा कि हाल में पारित इस विधेयक में वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिमों को शामिल करने का प्रावधान ठीक प्रतीत नहीं होता है। बसपा प्रमुख ने यहां संवाददाताओं को बताया, राज्य वक्फ बोर्ड का हिस्सा बनने की गैर मुस्लिमों को अनुमति देना गलत है। मुस्लिम समुदाय भी इस पर आपत्ति कर रहा है। यदि केंद्र सरकार इसी तरह के विवादास्पद प्रावधानों में सुधार के लिए इस पर पुनर्विचार करे और फिलहाल के लिए वक्फ कानून को निलंबित रखे तो बेहतर होगा। संसद ने चार अप्रैल को वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित कर दिया। राज्यसभा में इस विधेयक के पक्ष में 128 मत पड़े, जबकि विरोध में 95 मत पड़े। तीन अप्रैल को इसे लोकसभा में पारित कर दिया गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल को इस विधेयक को मंजूरी प्रदान की। मायावती ने कहा कि जिस तरह से बौद्ध भिक्षुओं और उनके अनुयायियों की बोध गया में महाबोधि मंदिर के प्रबंध पर एकल नियंत्रण की लंबे समय से मांग रही है, उसी तरह, मुस्लिम समुदाय ने भी धार्मिक मामलों में बाहरी दखल के बारे में वाजिब चिंता जताई है। उन्होंने कहा, बसपा की मांग है कि केंद्र वक्फ कानून को लागू किये जाने पर तत्काल रोक लगाए और आवश्यक संशोधनों के जरिए चिंताओं को दूर करे।

सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मुद्दों के समाधान पर ध्यान केंद्रित कर रही है : जितेंद्र सिंह

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान और राष्ट्र निर्माण के लिए उनके अनुभव का उपयोग सरकार की प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय के अनुरूप पेंशन वितरण के संबंध में नए नियम बनाए गए हैं, इनमें मृत कर्मचारियों के परिवारों को पेंशन भी शामिल है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री ने कहा, ''कर्मचारी अपने कार्यकाल के सर्वश्रेष्ठ वर्ष देश और राष्ट्र निर्माण में लगाते हैं। अब सेवानिवृत्त लोगों की संख्या बढ़ रही है और हमें उनके मुद्दों का समाधान करना होगा।'' सिंह ने यहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आयोजित सेवानिवृत्ति-पूर्व परामर्श कार्यशाला में भाग लेने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। सिंह ने कहा कि सरकार का ध्यान इस बात पर है कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विशेषज्ञता और अनुभव का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए और उनके सामने आने वाली समस्याओं का समाधान कैसे किया जाए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने पुराने दिशा-निर्देशों को खत्म कर दिया है और सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद के लिए मौजूदा समय के अनुकूल नए नियम बनाए हैं। उन्होंने दावा किया कि इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी तक सीमित नहीं रखकर विभिन्न शहरों में किया जाना केंद्र की सभी क्षेत्रों पर समान ध्यान देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। असम के प्रदर्शन के बारे में मंत्री ने कहा कि केंद्रीय योजनाओं और पहल के क्रियान्वयन तथा उन्हें लागू करने के मामले में यह (असम) बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। सिंह ने कहा, ''इस संबंध में मैं मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की प्रशंसा करना चाहूंगा।''

बीजद के पूर्व विधायक ने पटनायक पर झूठ बोलने और वक्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व विधायक प्रवत त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर वक्फ विधेयक से जुड़े मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने का प्रयास करने तथा क्षेत्रीय दल से उनके निष्कासन के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। वक्फ संशोधन विधेयक पर मतदान के मुद्दे को लेकर विपक्षी बीजद में जारी खींचतान के बीच त्रिपाठी के आरोपों से पार्टी के भीतर की कलह खुलकर सामने आने लगी है।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि पटनायक ने बुधवार को मीडिया को दिए अपने बयान में वक्फ विधेयक पर मतदान के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा जबकि इस विधेयक पर मतदान को लेकर अंतिम समय में बीजद के रुख में बदलाव से पार्टी और राज्य में राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। त्रिपाठी ने दावा किया, ''उन्होंने (पटनायक) मेरे निलंबन पर झूठ बोला। पार्टी ने 2017 में मेरे खिलाफ कार्रवाई वापस ले ली थी। मैंने पार्टी से मेरा निलंबन रद्द करने का आग्रह नहीं किया, लेकिन उन्होंने (पटनायक) मेरी अहमियत को ध्यान में रखते हुए इसे रद्द कर दिया। इसलिए, मैंने 2019 और 2024 के चुनावों के दौरान बीजद के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया।''

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण कोई कूटनीतिक सफलता नहीं, जनता का ध्यान भटकाने की भाजपा की चाल : कन्हैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक चाल है ताकि वादों को पूरा करने में केंद्र सरकार की 'विफलता' से जनता का ध्यान भटकाया जा सके। कन्हैया कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि राणा का प्रत्यर्पण नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक बड़ी 'कूटनीतिक सफलता' है।

तहव्वुर राणा (64) डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी है, जिसे दाऊद गिलानी के नाम से भी जाना जाता है और वह 2008 के हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। उन्होंने कहा, ''भाजपा के पास नाम के लायक कोई उपलब्धि नहीं है, इसलिए वह किसी न किसी बहाने जनता के मुद्दों को भटकाने की कोशिश करती है। वक्फ विधेयक इसका एक और उदाहरण है।

बिहार के कई जिलों में वज्रपात, ओलावृष्टि की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत

पटना/भाषा। बिहार के कई जिलों में बृहस्पतिवार को आकाशीय बिजली गिरने और ओलावृष्टि की चपेट में आने से 25 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, नालंदा में 18 लोगों की मौत हुई। इसके बाद सीवान में दो, कटिहार, दरभंगा, बेगूसराय, भागलपुर और जहानाबाद में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

बुधवार को बिहार के चार जिलों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई थी।

ओलंपिक से 75 किग्रा हटाए जाने के बाद 70 किग्रा वजन वर्ग में जा सकती है लवलीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन 70 किग्रा वर्ग में जा सकती हैं, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए उनके मौजूदा 75 किग्रा भार वर्ग को खत्म कर दिया है।

आईओसी ने बुधवार को ओलंपिक 2028 के लिए कार्यक्रम और खिलाड़ियों के कोटा की घोषणा की। नए बदलाव के कारण लवलीना को या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में अपना भाग्य आजमाना होगा। घटनाक्रम से हैरान लवलीना ने गुवाहाटी से पीटीआई से कहा, ''यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'' उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस घटनाक्रम से हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकरअंतिम फैसला किया जाएगा। बोरा ने कहा, '''इस खबर से मैं वास्तव में हैरान हूं। अभी किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वह 70 और 80 दोनों वजन वर्गों में लड़ सकती है लेकिन हमें इस पर फैसला करने से पहले कुछ परीक्षण करने होंगे।'' वर्तमान में, बोरगोहेन का प्राकृतिक वजन 74 किलोग्राम है और बोरा ने कहा कि बहुत अधिक वजन कम करने से ताकत में कमी आ सकती है। पेरिस ओलंपिक के लिए बोरगोहेन के साथ यात्रा करने वाली बोरा ने कहा, ''फिलहाल उसका प्राकृतिक वजन 74 किलोग्राम है और बहुत अधिक वजन कम करने से उसकी ताकत कम हो सकती है। इसलिए हम देखेंगे कि उसे किस चीज से अधिक फायदा मिलता है।'' मुक्केबाजी को पिछले महीने ही 2028 ओलंपिक में शामिल करने की पुष्टि की गई थी। मुक्केबाजी में पहली बार पुरुषों और महिलाओं की समान संख्या (प्रत्येक में सात) शामिल होंगी।

अधिवेशन से बहुजन को स्पष्ट संदेश मिला कि वे भविष्य से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस का साथ दें : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में पारित प्रस्ताव का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इसमें बहुजन के लिए स्पष्ट संदेश है कि वे अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर पार्टी का समर्थन करें और उसे मजबूत बनाएं।

कांग्रेस का एक दिवसीय अधिवेशन बुधवार को अहमदाबाद में साबरमती नदी के तट पर आयोजित हुआ जिसमें पार्टी ने सामाजिक न्याय समेत कई मुद्दों पर प्रस्ताव पारित किया।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, कल, एआईसीसी के अहमदाबाद अधिवेशन 'न्यायपथ' में कांग्रेस ने देश के बहुजन को हिस्सेदारी देते हुए सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए 3 ऐतिहासिक संकल्प लिए हैं। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय कानून लाकर आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को खत्म करेंगे, केंद्रीय कानून बनाकर 'एससी एसटी सब-प्लान' को कानूनी आकार देंगे और इन वर्गों की जनसंख्या के आधार पर बजट में हिस्सेदारी देंगे।

कप्तान रहने पर अलग ही रंग में नजर आते हैं महेंद्र सिंह धोनी, कहा सौरव गांगुली ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि महेंद्र सिंह धोनी को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान के रूप में ही खेलना चाहिये। गांगुली ने कहा कि कप्तानी करने पर धोनी अलग ही रंग में नजर आते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 सत्र के बाकी मैचों के लिये धोनी को कप्तान बनाने की आज ही घोषणा की जब नियमित कप्तान रूतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रेक्चर के कारण बाहर हो गए।

बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरने और घुटने की दिक्कत के कारण खराब फॉर्म के चलते इस सत्र में धोनी की काफी आलोचना हो रही है। गांगुली ने हालांकि यहां एक प्रचार कार्यक्रम से इतर कहा,'' मेरा यह मानना है कि अगर एमएस धोनी को सीएसके के लिये खेलना है तो उसे कप्तान ही रहना होगा। क्योंकि कप्तानी करने पर वह अलग ही रंग में नजर आते हैं।''

धोनी की ऐसे समय में कप्तान के तौर पर वापसी हुई है जब चेन्नई सुपर किंग्स लगातार चार मैच हार चुकी है। यह 2023 में पांचवां खिताब जीतने के बाद बतौर कप्तान धोनी का पहला मैच भी होगा।

गांगुली ने कहा,'' धोनी अभी भी छक्के लगा रहा है। हमने पिछले मैच में देखा। वह 43 साल का हो गया है और अब वैसे तो नहीं खेल सकता जैसे 2005 में खेलता था। यह स्वाभाविक है। लेकिन मुझे लगता है कि उसके भीतर अभी भी छक्के लगाने की ताकत है।'' उन्होंने कहा,'' उसके इतने अनुभव और खेल की समझ के साथ वह वही करेगा जो सीएसके के लिये सही है।''

कोलकाता नाइट राइडर्स के ईडन गार्डंस पर तीन में से दो मैच हारने के बारे में पूछने पर गांगुली ने कहा,'' ये अजिंक्य रहाणे से पूछो। वह ही जवाब दे सकेगा। पिछले मैच में तो वे जीत के करीब थे। उनके पास शानदार खिलाड़ी हैं। मेरी चिंता यही है कि रिंकू सिंह बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे आ रहे हैं।''

गायकवाड़ चोट के कारण बाहर, महेंद्र सिंह धोनी होंगे सीएसके के कप्तान

चेन्नई/भाषा। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को बृहस्पतिवार को करारा झटका लगा जब नियमित कप्तान रूतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रेक्चर के कारण आईपीएल से बाहर हो गए जिससे एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी को टीम की बागडोर मिली है। सीएसके के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इसकी पुष्टि की। फ्लेमिंग ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले मीडिया को बताया,'' रूतुराज गायकवाड़ कोहनी के फ्रेक्चर के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। हमारे पास एक 'अनकैप्ड' खिलाड़ी हैं, एम एस धोनी बचे हुए आईपीएल सत्र में टीम के कप्तान होंगे।'' धोनी ने 2008 से 2023 तक सीएसके की अगुआई की थी और टीम को पांच आईपीएल खिताब दिलाए थे। उन्होंने 2024 सत्र से पहले गायकवाड़ को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी थी। गायकवाड़ को 30 मार्च को जोफ्रा आर्चर की शॉर्ट गेंद पर चोट लगी थी और तब से उन्होंने दो मैच खेले हैं। फ्लेमिंग ने कहा, ''उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुवाहाटी में चोट लगी थी। वह दर्द के बावजूद खेल रहा था। हमने 'एक्स रे' कराया। फिर हमने एमआरआई करवाया जिसमें उनकी कोहनी में फ्रेक्चर का पता चला।''

भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार मिलने का भरोसा: खेल मंत्री मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया को भरोसा है कि कनाडा और नाइजीरिया के बोली लगाने में रुचि दिखाने के बावजूद भारत 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अधिकार हासिल कर लेगा।

कनाडा और नाइजीरिया दोनों ने 31 मार्च की समय सीमा पूरी होने से पहले मेजबानी में दिलचस्पी (ईओआई) की प्रस्तुति पेश की। मांडविया ने कहा, ''मुझे जानकारी मिली है कि कनाडा और नाइजीरिया ने रुचि दिखाई है, लेकिन हमें विश्वास है कि भारत को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलेगी।'' बढ़ती लागत के कारण ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया द्वारा राष्ट्रमंडल खेलों से हटने के बाद से ही इन खेलों को मेजबान देश मिलने में संघर्ष करना पड़ रहा है।

विक्टोरिया की जगह ग्लासगो अगले साल के टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए आगे आया जिसमें मुक्केबाजी, कुश्ती, हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन और निशानेबाजी शामिल नहीं होंगे। अगर भारत को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिलती है तो यह खेल समुदाय को यह दिखाने की दिशा में अच्छा कदम होगा कि वह 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने में सक्षम है।

मांडविया ने यह भी कहा कि इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ सलाह मश्विरा जारी है और जून में नई आईओसी अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री के कार्यभार संभालने के बाद भारत अपनी प्रस्तुति देने के लिए तैयार है। इस बीच मांडविया ने कहा कि खेल मंत्रालय तीन विशेष सामाजिक पहल शुरू कर रहा है जिसमें इस देश के युवाओं की भागीदारी की जरूरत होगी।

सुविचार

सपने देखना एक आम बात है, वो जो व्यक्ति सपने देखता है, वो ही भविष्य में सफलता प्राप्त करता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'जिबलीकरण' के जोखिम

सोशल मीडिया पर 'जिबली आर्ट' से संबंधित तस्वीरों का सैलाब दिखाई दे रहा है। क्या बच्चे, क्या बुजुर्ग, हर कोई इस ट्रेंड में शामिल होना चाहता है। इस बीच विभिन्न राज्यों की पुलिस चेतावनी जारी कर रही हैं कि जिबली आर्ट के साथ कुछ जोखिम भी हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर जो ट्रेंड शुरू होता है, साइबर अपराधी उस पर नजर रखते हैं और फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। हो सकता है कि कुछ दिनों बाद ऐसी खबरें पढ़ने को मिलें, जिनमें बताया गया हो कि 'जिबली आर्ट के चक्कर में फोन हैक, निजी तस्वीरें लीक, बैंक खाता खाली, कंप्यूटर में आया वायरस ...!' अभी लोगों का ध्यान इसकी रचनात्मकता और आकर्षण पर है। ऐसी तस्वीरें बनाने वाले ऐप भी ज्यादा नहीं हैं। जैसे-जैसे आकर्षण बढ़ेगा, नए ऐप आएंगे, जो 'और ज्यादा' सुंदर तस्वीर बनाने का दावा करेंगे। कोई ऐप कितना सुरक्षित है, वह यूजर्स के डेटा के साथ क्या करता है, वह उसे तुरंत हटाता है या नहीं, क्या वह विज्ञापन संबंधी गतिविधियों के लिए उनका इस्तेमाल करता है – जैसे दर्जनों सवालों के संतोषजनक जवाब उपलब्ध नहीं हैं। यूं तो हर ऐप दावा करता है कि वह यूजर्स के लिए पूरी तरह सुरक्षित है, लेकिन पूर्व में भारत सरकार ने ऐसे दर्जनों ऐप्स पर पाबंदी लगाई थी, जो निजता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा थे। चीनी कंपनियां ऐसे ऐप बनाने और उनका प्रचार करने में आगे रहती हैं। उन पर यूजर्स के डेटा को चीनी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करने के आरोप लग चुके हैं। ऐसे में अपनी तस्वीरों के 'जिबलीकरण' के लिए किसी ऐप को डेटा सौंप देना कितना सुरक्षित है?

आमतौर पर जब लोग तस्वीरों की खूबसूरती में बढ़ोतरी करने वाले ऐप डाउनलोड करते हैं तो उनका पूरा ध्यान जल्द से जल्द उसका उपयोग करने पर होता है। इस बीच, ऐप की ओर से कुछ नियमों और शर्तों को पेश किया जाता है, लेकिन लोग तुरंत 'ओके' करते हुए आगे बढ़ जाते हैं। बहुत कम ही उन्हें पढ़ते हैं। जो पढ़ते हैं, उन्हें पता चलता है कि नियमों और शर्तों की भाषा आसान नहीं है। अगर भविष्य में कोई ऐप मोबाइल फोन में मौजूद तस्वीरों, कॉन्टैक्ट्स, एसएमएस, दस्तावेजों तक पहुंच बना ले और यूजर को पता ही न चले तो इससे गंभीर नुकसान हो सकता है। सोशल मीडिया पर कई लोग अपने ऐसे अनुभव साझा कर चुके हैं कि उन्होंने फोन पर किसी विषय पर बातचीत की, बाद में एक ऐप पर उससे संबंधित विज्ञापन आने लगे! एक यूजर का अनुभव कुछ इस तरह था- उसे नए जूते खरीदने थे। इसके लिए अपने दोस्त को फोन किया और उससे राय मांगी। उसके दोस्त ने जूतों के कुछ ब्रांड और दुकानों के नाम बताए। बातचीत पूरी हो गई। कुछ समय बाद उसने एक ऐप खोला तो यह देखकर हैरत हुई कि उस पर जूतों के विज्ञापनों की भरमार थी। उसके अनुभव पर प्रतिक्रिया देते हुए कई यूजर्स ने कहा कि उनके साथ भी ऐसा हो चुका है। इसी तरह एक व्यक्ति किसी मशहूर विदेशी ऐप पर वीडियो देखा करता था। एक दिन उसके फोन पर एसएमएस आया, जिसमें किसी महिला ने 'दोस्ती' करने का प्रस्ताव रखा। वह उसके साथ रोजाना चैटिंग करने लगा। कुछ दिन बाद 'महिला' ने कहा कि 'अब हमें मिलना चाहिए। आप वहां (जगह का नाम बताया) आ जाएं।' वह व्यक्ति बताई गई जगह पर पहुंच गया। वहां उसे एक युवक मिला, जिसने अपनी मोटरसाइकिल पर बैठने का आग्रह करते हुए कहा, 'कृपया मेरे साथ चलें। मैडम ने मुझे भेजा है।' वह उसे एक मकान में ले गया, जहां चार युवक चाकू, डंडे और हथियार लेकर बैठे थे। उन्होंने उस व्यक्ति की पिटाई की और मोबाइल फोन छीनकर बैंक खाते से सारे रुपए ट्रांसफर कर लिए। ऑनलाइन दोस्ती का ऐसा नतीजा निकलेगा, यह उसने सोचा नहीं था। पता चला कि उस ऐप ने अपनी कमाई के लिए डेटा बेचा था, जो गलत लोगों के हाथ लग गया। लिहाज़ा समझदारी इसी में है कि ऐसे असुरक्षित ऐप को अपना डेटा कभी न सौंपें।

ट्वीटर टॉक

भारत की महान समुद्री विरासत को जानने और समझने के लिए गुजरात का लोथल एक उत्कृष्ट स्थान है। एएसआई ने सन 1954 में ढूंढा था। यहां ज्ञात रूप से दुनिया का सबसे पुराना बंदरगाह था। आज लोथल के एसएसआई कार्यस्थल का दौरा किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति, एवं ऐतिहासिक विरासत से परिपूर्ण दौसा के स्थापना दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु से प्रार्थना है कि सभी दौसा वासियों का जीवन सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं सफलता से परिपूर्ण हो।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण के लिए 394.03 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृत स्वीकृति दी गई है।

-नीतिन गड़करी

प्रेरक प्रसंग

सुधार की सजा

ईरान के गोन्बाद-ए-काबुस शहर में एक अनोखी घटना घटी। यहां के एक जज, कासिम नकीजादेह ने एक ऐसे दोषी को सजा दी, जो छोटे-मोटे अपराध में शामिल था। यह सजा पारंपरिक जेल की सजा से अलग थी। उन्होंने दोषी को पांच किताबें खरीदकर उन्हें पढ़ने का आदेश दिया। इसके बाद क़ैदी को उन किताबों का संक्षिप्त विवरण लिखकर जेल प्रशासन को देना था ताकि अन्य क़ैदी भी उन्हें पढ़ सकें। जज नकीजादेह का मानना था कि सजा देने के बजाय अगर क़ैदी को पढ़ने का अवसर मिले, तो वह न केवल अपने आप को सुधार सकता है, बल्कि दूसरों को भी मार्गदर्शन दे सकता है।

उनका यह मानना था कि जेल में किताबें पढ़ने से एक नया दृष्टिकोण मिलता है और अपराधियों को एक बेहतर रास्ते पर चलने की प्रेरणा मिलती है। यह सजा न केवल शारीरिक दंड से बचने का रास्ता थी, बल्कि एक शिक्षा और आत्मसुधार की प्रक्रिया थी, जो दोषी को जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती थी।

सामयिक

प्राकट्य उत्सव 12 अप्रैल पर विशेष

हनुमान के गुणों को जीवन में उतारिए

निरंकार सिंह
मोबाइल : 9451910615

हनुमान भगवान राम की भक्ति की पराकाष्ठा के साक्षात रूप हैं। उन्होंने अपने मान सम्मान का पूरी तरह से हनन कर लिया है अर्थात अहंकार शून्य है। लेकिन जब राम के मान की बात आती है तब उनका रौद्र रूप दिखायी देता है। राम रावण युद्ध में उन्होंने रौद्र रूप धारण करके राक्षसों का भयंकर विनाश किया था। वह भगवान राम का कार्य करने के लिए सदैव तत्पर दिखायी देते हैं। परोपकार, दया और विनम्रता उनके व्यक्तित्व का प्रमुख गुण है। इसलिए हनुमान के भक्त यदि अपने चरित्र में इन गुणों का कुछ भी अंश लायें तो आज के समाज का बड़ा कल्याण हो सकता है।

हनुमानजी बुद्धिमान, संयमी और ज्ञानियों के अग्रणी माने जाते हैं। उनके शरीर के साथ-साथ उनका मन भी अत्यन्त शक्तिशाली है। उन्हें अमरत्व का वरदान प्राप्त है। यही कारण है कि आज देश के मन्दिरों में राम मन्दिर से अधिक हनुमान मन्दिर हैं। राम ने उन्हें अमरत्व का वरदान दिया था इसलिए आज भी वे हमारे बीच विराजमान हैं। वे अमंगल का नाश करने वाले हैं। उन्हें मंगल मूरति, मारुतिनंदन सकल अमंगल मूल निकंदन कहा जाता है। हनुमान जी बल, बुद्धि और विद्या के अद्भुत संगम थे। उन्होंने लंका दहन के समय अपनी असीम शक्ति का प्रदर्शन किया, रावण के साथ युद्ध में अपनी बुद्धिमानी से विजय प्राप्त की और सूर्य देव से विद्या प्राप्त कर ज्ञान का भंडार भर लिया। इन गुणों के कारण ही वे भगवान राम के परम भक्त बन गये और संकटमोचन के रूप में जाने गये। आत्मज्ञान के लिए बल, बुद्धि और विद्या इन तीनों गुणों का होना आवश्यक माना गया है। बल हमें कठिनाईयों का सामना करने की शक्ति देता है। बुद्धि हमें सही मार्ग चुनने में मदद करती है और विद्या हमें आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान प्रदान करती है। हनुमान जी, बल, बुद्धि और विद्या के सागर हैं।

भक्त शिरोमणि हनुमान, सदैव राम भक्ति में लीन रहते हैं। वानरराज सुग्रीव से मित्रता गाठनी हो या सीता माता की खोज में अथाह सागर को पार करना हो, स्वर्ण नगरी को जलाकर लंकापति का अहंकार चूर-चूर करना हो या संजीवनी बूटी लेकर लक्ष्मण जी को नया जीवन देना हो हर कदम पर हनुमान जी ही दिखायी देते हैं। सीता माता की खोज में जब महावीर हनुमान समुद्र पार कर रहे थे, तब देवताओं के इशारे पर सुरसा ने उन्हें निगलने के लिए अपना विशाल मुख खोल दिया। हनुमान ने भी अपना रूप बढ़ा लिया, तो सुरसा ने भी सौ योजन का मुख कर लिया। तब हनुमान जी लघु रूप धारण कर सुरसा के मुख में प्रवेश कर गए और फिर बाहर निकल आए। सुरसा हनुमान की बुद्धि देखकर चकित रह गई और उन्हें आशीर्वाद देकर विदा किया। इसी तरह, सिंहिका के रूप में प्रकट हुई रावण की बहन को भी हनुमान ने अपनी बुद्धि से परास्त किया।

रामकथा में हनुमान जी का चरित्र इतना प्रखर है कि उसने राम के आदर्शों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाई। रामकथा में हनुमान जी के चरित्र से हम जीवन के सूत्र हासिल कर सकते हैं। वीरता, साहस, सेवाभाव, स्वामिभक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता, नेतृत्व और निर्णय क्षमता जैसे हनुमान के गुणों को अपने भीतर उतारकर हम सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सकते हैं।

रावण के स्वर्णलंका पर दौलत का अहंकार छाया था, लेकिन हनुमान जी ने उसका अस्तित्व ही मिटा दिया। यह सिर्फ एक भवन का दहन नहीं था, बल्कि अहंकार के प्रतीक का नाश था। ठीक इसी तरह, महाभारत के युद्ध के बाद, भीम और अर्जुन को शक्ति मिलने पर घमंड हो गया था। श्रीकृष्ण के आदेश पर हनुमान जी ने उनकी इस अहंकार की आग को बुझा दिया।

कलियुग में हनुमान ही एकमात्र जाग्रत देव हैं। उनका चारों युग में प्रताप है। उनकी भक्ति से व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश्वास का संचार होता है। हनुमानजी की भक्ति हर संकट से बचाती है। भक्तों ने अपनी भक्ति के चलते हनुमानजी के अलग-अलग रूप को पूजनीय बनाया है। कहते हैं कि हनुमानजी की भिन्न-भिन्न मूर्तियों की उपासना से भिन्न-भिन्न फल की प्राप्ति होती है।हनुमान जी का नाम जब भी लिया जाता है, तो मन में एक परम भक्त की छवि बनती है। साथ ही एक ऐसा मित्र जिन्होंने मित्रता निभाने के लिए हर एक संकट को पार करके रामजी और सीता जी के पुनर्मिलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सभी विशेषताओं से अलग हनुमान जी में ऐसी विशेषताएं भी हैं, जो एक बेहतर इंसान ही नहीं बल्कि समाज में बदलाव लाने के लिए भी बहुत आवश्यक है। हनुमान जी के इन गुणों को अपनाकर आज दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है।

हम अगर हनुमान जी के गुणों को अपनाएं, तो हमारे जीवन में कई सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं। हनुमान जी के कुछ ऐसे गुण जिन्हें अपनाने से दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।हनुमान जी श्रीराम को अपना आराध्य ही नहीं बल्कि अपना मित्र भी मानते थे इसलिए उन्होंने पूरी ईमानदारी के साथ श्रीराम का साथ दिया। आज की दुनिया में लोग अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए किसी का भी भरोसा तोड़ने से पीछे नहीं हटते। जब हम किसी का विश्वास तोड़ते हैं, तो इसका असर उस इंसान पर जरूर होता है जिसका विश्वास टूटा है। ऐसे में उस इंसान के अंदर अविश्वास की भावना आ जाती है और वह फिर किसी पर भी विश्वास नहीं करता। इससे दुनिया में नकारात्मकता बढ़ती जाती है।

आज की दुनिया में अपनी भलाई के बारे में तो सभी सोचते हैं लेकिन कई बार अपनी भलाई की प्राथमिकता में हम दूसरों का बुरा कर देते हैं। दूसरी तरफ हनुमान जी ने हमेशा ही स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों के बारे में पहले सोचा। अपने मित्र श्रीराम, सुग्रीव और अन्य लोगों की मदद के लिए हनुमान जी हमेशा तत्पर रहते थे। आज अगर हम अपनी भलाई के अलावा दूसरों के लिए भी अच्छा सोचें, तो इस गुण से दुनिया में फैल चुकी नकारात्मकता को खत्म किया जा सकता है।आज के समय में ध्यान भटकाने के लिए बहुत-सी चीजें हैं। ज्यादातर लोग चुनौतियों से डरकर या फिर किसी प्रलोभन का शिकार होकर अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं लेकिन हनुमान जी के जीवन से अपने लक्ष्य से न भटकने की सीख मिलती है। जब हनुमान जी समुद्र पार करके लंका जा रहे थे, तो उनके मार्ग में कई चुनौतियां आईं लेकिन वे कभी भी अपने लक्ष्य से नहीं भटके। अपने लक्ष्य से न भटकने के गुण के साथ हम समाज के लिए कुछ बड़ा कार्य कर सकते हैं।

आज अनुशासन की बहुत आवश्यकता है। अक्सर लोग अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए हत्या करने से भी पीछे नहीं हटते। वहीं, लोग अंहकार से भरकर अपनी मर्यादा तक भूल जाते हैं। आज की दुनिया में हनुमान जी से यह सीखा जा सकता है कि आप कितने भी बलशाली क्यों न हो लेकिन आपके लिए अनुशासन बहुत जरूरी है। दूसरों पर शासन करने की बजाय खुद पर शासन या नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है। अनुशासन से दुनिया के व्यर्थ के शोर को शांत किया जा सकता है।आज हम ऐसी कई घटनाएं देखते हैं, जिससे मानवता भी शर्मसार हो उठती है। लोगों में क्रोध ज्यादा और दयालुता कम है। आज की दुनिया में नकारात्मकता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि लोगों में मानवता और दया की भावना कम होती जा रही है। हनुमान जी से हम दया और मानवता की भावना सीख सकते हैं। कई पौराणिक कहानियों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि हनुमान जी अपने मित्रों ही नहीं बल्कि शत्रुओं पर भी दया रखते थे और जरूरत के समय उनकी सहायता करने से भी पीछे नहीं हटे।

ज्ञान विज्ञान

मंगल पर बसने की तमन्ना है? वहां की धूल तो 'जहरीली' है

पिछले कुछ समय से मंगल ग्रह को लेकर खूब बातें हुई हैं। वहां को लेकर हजारों रिसर्च धरती पर हो रहे हैं। दुनिया के तमाम लोग मंगल पर बसने का सपना देख रहे हैं। अगर आप भी उनमें से एक हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। हुआ यह है कि हाल ही में एक स्टडी में पाया गया है कि मंगल की धूल इंसानों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती है। इस धूल में मौजूद जहरीले तत्व सांस लेने की समस्या और अन्य बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

दरअसल इंटरनेशनल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर एक स्टडी सामने आई है। स्टडी के मुताबिक वैज्ञानिकों ने पाया है कि मंगल की धूल बेहद महीन होती है। जो इंसानों के फेफड़ों में गहराई तक प्रवेश कर सकती है और रक्त प्रवाह तक पहुंच सकती है। इस धूल में सिलिका जिप्सम और कई प्रकार की धातुएं पाई जाती हैं। जो सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इतना ही नहीं वहां इंसानी मिशन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगल की धूल बहुत नुकीली और खुरदरी तो नहीं है लेकिन यह हर जगह चिपक जाती है और महीन कण फेफड़ों में जमा हो सकते हैं। स्टडी के मुताबिक मंगल ग्रह की धूल चंद्रमा की धूल से अधिक खतरनाक हो सकती है क्योंकि इसमें विषैले तत्व भी मौजूद हैं। अपोलो मिशन के दौरान चंद्रमा की धूल ने अंतरिक्ष यात्रियों को खांसी आंखों में जलन और गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। इसकी तुलना भी इससे की गई।

साथ ही स्टडी में यह भी बताया गया है कि मंगल की धूल में मौजूद सिलिका फेफड़ों की बीमारी सिलिकोसिस का कारण बन सकती है जो कोयला खनिकों में आमतौर पर देखी जाती है। इसके अलावा इस धूल में मौजूद पर्क्लोरेट्स और अन्य जहरीले धातु जैसे क्रोमियम और आर्सेनिक सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि मंगल पर मौजूद माइक्रोग्रैविटी और रेडिएशन के कारण इन तत्वों का असर और अधिक खतरनाक हो सकता है। बता दें कि नासा और चीन की अगले दशक में मंगल पर इंसानों को भेजने की योजना बना रही हैं। इन अभियानों में अंतरिक्ष यात्रियों को कई महीनों तक मंगल की सतह पर रहना होगा और लंबे समय तक वहां रहने की संभावनाओं का परीक्षण किया जाएगा। लेकिन नई स्टडी को देखते हुए मंगल पर मानव बसाहट के लिए सुरक्षा उपायों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

नजरिया

जन चेतना से ही बढ़ सकती है मातृत्व सुरक्षा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल :8949519406

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस हर साल 11 अप्रैल को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता फैलाना है। गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद की स्थितियों में माँ और बच्चे दोनों का स्वस्थ रहना बेहद ज़रूरी होता है, और यही संदेश इस दिन के माध्यम से पूरे देश में दिया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक हम पिछले एक दशक से गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण होने वाली मौतों को बहुत कम कर चुके थे लेकिन 2016 के बाद इसमें फिर वृद्धि होने लगी है क्योंकि सरकारों का ध्यान इस पर कम हुआ है। संगठन के मुताबिक दुनियाभर में हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण अकाल मौत की शिकार हो जाती हैं। इसी भांति 2 मिलियन से अधिक बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं। अन्य 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा सहायता मिलने पर बचाया जा सकता था। सबसे अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि विश्लेषण करे तो पाएंगे हर % सेकंड में एक रोकी जा सकने वाली मौत हो रही है। नवजात शिशु सबसे ज्यादा सेंसिटिव होता है और इस दौरान बीमारी और मृत्यु का खतरा सबसे अधिक होता है। समय से पहले जन्म होने पर संक्रमण, जन्म के समय सांस की समस्या, जन्मजात बीमारियों का रिस्क इस दौरान काफी बढ़ जाता है। महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य पर आंकड़ा जारी करते हुए कहा है कि आज भी हर 2 मिनट में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी से संबंधित जटिलताओं के कारण एक महिला की मौत हो जाती है। यह आंकड़ा बेहद डरावना है क्योंकि आज मेडिकल साइंस ने इतनी तरक्की कर ली है कि प्रेग्नेंसी की जटिलताओं के कारण महिलाओं की मौत को आसानी से रोका जा सकता है। संगठन ने 2023 के आंकड़ों को पेश करते हुए बताया कि गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के कारण दुनिया में हर दिन %00 से ज्यादा महिलाओं की मौत होती है जो बेहद चिंता का विषय है। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि आज भी दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में प्रेग्नेंसी कितनी खतरनाक है, जबकि मातृ मृत्यु के अधिकांश मामलों में जटिलताओं को रोकने और उनका उपचार करने के समाधान मौजूद हैं। इसलिए क्वालिटी मैटरल केयर तक पहुंच सुनिश्चित करने के अलावा, महिलाओं और लड़कियों के अंतर्निहित स्वास्थ्य और प्रजनन अधिकारों को मजबूत करना भी अहम होगा। ये ऐसे कारक हैं जो प्रसव के दौरान और उसके बाद उनके हेल्थ रिजल्टस की संभावनाओं को मजबूत करते हैं।

साल 1990 से लेकर 2020 के आंकड़ों को देखा जाए तो भारत की स्थिति दुनिया के औसत आंकड़े से काफी बेहतर है। हालांकि हमारी सरकार लगातार इसमें और सुधार करने की कोशिश कर रही है। मोदी सरकार की प्राथमिकता आंकड़ों को शून्य करना है। एक रिपोर्ट के अनुसार गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच से जटिलताओं का शीघ्र निदान संभव हो जाता है। पोषण, शारीरिक गतिविधि और तंबाकू और शराब जैसे हानिकारक पदार्थों से बचने पर जागरूकता कार्यक्रम जनभागीदारी से आयोजित किये जाये। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच बढ़ाई जावे , क्योंकि मातृ अवसाद और प्रसवोत्तर तनाव पर अभी भी ध्यान नहीं दिया जाता है। साथ ही प्रसव एवं डिलीवरी के दौरान कुशल स्वास्थ्य देखभाल सहायता, समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित किये जाये।

यह संकल्प लेने की जरूरत है की हम पीड़ित मानवता को हर खतरे से बचाने के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा सुलभ करा कर स्वस्थ दुनिया के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। हर इंसान का स्वास्थ्य अच्छा हो और बीमार होने पर हर व्यक्ति को अच्छे इलाज की सुविधा मिल सके। दुनियाभर में पोलियो, रक्ताल्पता, नेत्रहीनता, कुष्ठ, टीबी, मलेरिया और एड्स जैसी भयानक बीमारियों की रोकथाम हो सके और मरीजों को समुचित इलाज की सुविधा मिल सके और समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक बनाया जाए और उनको स्वस्थ वातावरण बना कर स्वस्थ रहना सिखाया जाए। भारत में आम तौर पर लोगों में स्वास्थ्य चेतना का अभाव है। शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति भी लोग तभी चिंतित होते हैं जब कोई रोग उन्हें ग्रस लेता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धरती के महासागर एक बार हरे हो गए थे, इनका रंग फिर बदल सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। महासागर धरती के करीब तीन चौथाई हिस्से पर फैले हैं जिससे यह ग्रह आकाश से हल्के नीले रंग का दिखता है। लेकिन 'नेचर पत्रिका' में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में जापानी शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है कि पृथ्वी के महासागर कभी हरे हुआ करते थे।

प्राचीन काल में पृथ्वी के महासागरों के अलग रंग में दिखने का संबंध उनके रसायन विज्ञान और प्रकाश संश्लेषण के विकास से है। भूविज्ञान के स्नातक छात्र के रूप में, मुझे ग्रह के इतिहास को रिकॉर्ड करने के लिहाज से 'बैंडेड आयरन' संरचना के रूप में जाने जाने वाले एक प्रकार के 'चट्टानी जमाव' के महत्व के बारे में पढ़ाया गया था।

'बैंडेड आयरन' संरचना का जमाव आर्कियन और पैलियोप्रोटेरोजोइक युग में लगभग 3.8 से 1.8 अरब साल पहले हुआ था। उस समय जीवन महासागरों में एक कोशिका वाले जीवों तक ही सीमित था। महाद्वीप ग्रे, भूरे और काले रंग की चट्टानों और जमा तलछटों का एक बंजर परिदृश्य था। महाद्वीपीय चट्टानों पर गिरने वाली बारिश की बूंदों से उसमें विद्यमान लोहा घुलकर नदियों के जरिये महासागरों में पहुंच गया। लोहे के अन्य स्रोत समुद्र तल पर ज्वालामुखी थे। यह लोहा (आयरन) बाद में महत्वपूर्ण हो गया होगा। आर्कियन युग एक ऐसा समय था जब पृथ्वी का वायुमंडल और महासागर ऑक्सीजन गैस से रहित थे, लेकिन यह वह समय था जब सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा उत्पन्न करने वाले पहले जीव विकसित हुए थे।

इन जीवों ने अवायवीय यानी ऐनेरोबिक प्रकाश संश्लेषण का उपयोग किया, जिसका अर्थ है कि वे ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में भी प्रकाश संश्लेषण कर सकते हैं।

इसने महत्वपूर्ण परिवर्तनों को गति दी क्योंकि अवायवीय प्रकाश संश्लेषण का एक सहउत्पाद ऑक्सीजन गैस है। ऑक्सीजन गैस समुद्री जल में लोहे से संबद्ध है। ऑक्सीजन केवल वायुमंडल में एक गैस के रूप में मौजूद थी जब समुद्री जल का लोहा और अधिक ऑक्सीजन को बेअसर नहीं कर सकता था।

आखिरकार, प्रारंभिक प्रकाश संश्लेषण ने 'महान ऑक्सीकरण घटना' को जन्म दिया, जो एक प्रमुख पारिस्थितिकी मोड़ था जिसने पृथ्वी पर जटिल जीवन को संभव बनाया।

इससे बड़ा परिवर्तन हुआ और ऑक्सीजन रहित पृथ्वी पर ऑक्सीजन की प्रचुरता के साथ महासागर और वायुमंडल में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध हो गई। 'बैंडेड आयरन' संरचनाओं में विभिन्न रंगों के 'बैंड' ऑक्सीजन की अनुपस्थिति में जमा आयरन भंडार और लाल ऑक्सीकृत आयरन के बीच एक परिवर्तन के साथ इस बदलाव को रिकॉर्ड करते हैं।

आर्कियन युग में हरे महासागरों के लिए हालिया शोध रिपोर्ट का मामला एक अवलोकन से शुरू होता है: जापानी ज्वालामुखी द्वीप इवो जीमा के आसपास के पानी में ऑक्सीकृत आयरन के एक रूप (एफ–3) से जुड़ा हरा रंग है। द्वीप के आसपास के हरे पानी में नीले–हरे शैवाल पनपते हैं।

अपने नाम के बावजूद नीले–हरे शैवाल आदिम बैक्टीरिया हैं और असली शैवाल नहीं हैं। आर्कियन युग में, आधुनिक नीले–हरे शैवाल के पूर्वज अन्य बैक्टीरिया के साथ विकसित हुए जो प्रकाश संश्लेषण के लिए इलेक्ट्रॉनों के स्रोत के रूप में पानी के बजाय 'फेरस आयरन' का उपयोग करते हैं। यह महासागर में लौह (आयरन) की उच्च स्तर की उपस्थिति की ओर इशारा करता है। प्रकाश संश्लेषक जीव सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके कार्बन डॉइऑक्साइड को शर्करा में बदलने के लिए अपनी कोशिकाओं में वर्णक (ज्यादातर क्लोरोफिल) का उपयोग करते हैं।

सूडान ने आईसीजे से कहा : विद्रोहियों को धन मुहैया कराकर यूएई नरसंहार संधि का उल्लंघन कर रहा

द हेग (नीदरलैंड)/एपी

सूडान ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत 'इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस' (आईसीजे) से कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) विद्रोही अर्धसैनिक समूह ''रैपिड सपोर्ट फोर्स'' को हथियार और धन मुहैया कराकर नरसंहार से संबंधित संधि का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि यूएई ने इस मामले में जोरदार तरीके से अपना पक्ष रखा है। पूर्वोत्तर अफ्रीकी देश सूडान आईसीजे से आपातकालीन आदेश जारी करने का अनुरोध कर रहा है। इस अनुरोध को अनंतिम उपाय के रूप में जाना जाता है, जिसमें यूएई को सूडान के दो साल के गृहयुद्ध के दौरान मसालित लोगों को निशाना बनाकर की गई हत्या और अन्य अपराधों को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करने के लिए कहना भी शामिल है। कार्यवाहक न्याय मंत्री मुआविया उस्मान ने यहां आईसीजे में अपनी शुरुआती दलील में कहा, मसालित के खिलाफ नरसंहार 'रैपिड सपोर्ट फोर्स' द्वारा किया जा रहा है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह दारफुर के अरबी नागरिक हैं, और इसमें यूएई का समर्थन और मिलीभगत है।'' सुनवाई से पहले एक ब्रीफिंग में यूएई के विदेश मंत्रालय की एक शीर्ष अधिकारी रीम केटेट ने पत्रकारों से कहा कि मामला निराधार है।

महावीर जयंति

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल गुरुवार को मुंबई के दादर ईस्ट में भारत जैन महा मंडल द्वारा आयोजित भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल हुए।

प्रीति जिंटा ने स्वर्ण मंदिर में टेका मत्था

अमृतसर/एजेन्सी

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर बताया है कि वह कई दिनों से अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर जाने की योजना बना रही थीं। हालांकि, किसी न किसी वजह से उनकी योजना विफल हो जा रही थी।

अभिनेत्री का मानना है कि जब बाबाजी ने उन्हें बुलाया तो सारे रास्ते खुल गए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर प्रीति ने न केवल स्वर्ण मंदिर की झलक दिखलाई बल्कि यह भी बताया कि उन्हें यहां आकर बेहद खास अनुभव मिला। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, पिछले कुछ साल में मैंने कई बार स्वर्ण मंदिर जाने की कोशिश की, लेकिन हर बार कुछ न कुछ ऐसा हुआ कि मेरी योजना रद्द हो गई। लेकिन इस बार कुछ अलग था। बाबा जी ने मुझे बुलाया और सारे रास्ते खुल गए। रामनवमी के शुभ दिन पर मुझे स्वर्ण मंदिर में उनका आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला।

अभिनेत्री ने बताया, इतनी यात्रा और नींद पूरी न होने की वजह से मैं थक गई थी। लेकिन जैसे ही मैंने स्वर्ण मंदिर के अंदर प्रवेश किया, सब कुछ शांत पड़ गया। यहां अपनेपन की भावना की वजह से मुझे बेहद खूबसूरत एहसास हुआ। उपस्थित लोगों की ऊर्जा और आस्था से मन और दिल खुश हो गया। जैसे ही मैं मत्था टेकने के लिए घुटनों के बल बैठी, मेरा दिल भावनाओं से भर गया।

बांग्लादेश की अदालत ने शेख हसीना और उनकी बेटी के खिलाफ नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, उनकी बेटी साइमा वाजिद पुतुल और 17 अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में बृहस्पतिवार को नया गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इन पर धोखाधड़ी के जरिये आवासीय भूखंड हासिल करने का आरोप है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दाखिल आरोपपत्र को स्वीकार कर लिया। चूंकि, आरोपी फरार हैं, इसलिए अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

एसीसी की ओर से पेश वकील मीर अहमद सलाम ने संवाददाताओं को बताया, ''मेट्रोपोलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने मामले में एसीसी के आरोपपत्र को स्वीकार करते हुए वारंट जारी किया।'' उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने एसीसी को राजधानी ढाका के बाहरी इलाके में पूर्बाचल क्षेत्र में राज्य द्वारा संचालित 'राजधानी उन्यन कार्तिपक्ष' (आरएजेयूके) द्वारा पट्टे पर दी गई भूमि से जुड़े आरोप की सुनवाई के लिए चार मई को अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

एसीसी ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना तथा अन्य सह–आरोपियों, जिनमें अधिकतर सरकारी अधिकारी थे, के विरुद्ध 12 जनवरी, 2025 को मुकदमा दायर किया था।

आरोपपत्र के अनुसार, 'पूर्बाचल न्यू सिटी हाउसिंग प्रोजेक्ट' में भूखंड हासिल करने के लिए ''दुर्भावनापूर्ण इरादे से'' पुतुल ने अपनी मां एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना को प्रभावित किया था।

एसीसी ने आरोप लगाया कि पुतुल ने ऐसा इस तथ्य के बावजूद किया कि ''ढाका शहर में आरएजेयूके के अधिकार क्षेत्र में उनके और उनके परिवार के सदस्यों के पास एक घर, फ्लैट या आवास है।''

स्क्रीनिंग

अभिनेता सनी देओल, रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह गुरुवार को मुंबई में फिल्म जाट की विशेष स्क्रीनिंग में शामिल हुए।

पांच साल बाद एक्शन जॉनर में वापसी करेंगे रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत रणदीप हुड्डा अपनी आने वाली फिल्म जाट के जरिये पांच साल बाद एक्शन जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं। रणदीप हुड्डा अब एक बार फिर एक्शन शैली में लौट रहे हैं। बॉलीवुड के सबसे बहुमुखी कलाकारों में से एक रणदीप, 10 अप्रैल के पूरे भारत में रिलीज़ हो रही फिल्म 'जाट' में दमदार और खूंखार किरदार निभाने जा रहे हैं। हॉलीवुड फिल्म 'एक्सट्रैक्शन' के बाद पांच साल बाद एक्शन में वापसी कर रहे रणदीप इस अनुभव को शानदार और रोमांचक बता रहे हैं। रणदीप आखिरी बार 'एक्सट्रैक्शन' में एक्शन अवतार में नज़र आए थे, जहां वह हॉलीवुड स्टार क्रिस हेम्सवर्थ के साथ नज़र आए थे।

यह फिल्म सैम हार्ग्रेव द्वारा निर्देशित और रूसो ब्रदर्स द्वारा निर्मित थी, जो 2020 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुई थी। इस

फिल्म में रणदीप की एक्शन परफॉर्मेंस को ज़बरदस्त सराहना मिली थी। अब 'जाट' के ज़रिए वे बड़े पर्दे पर एक बार फिर अपने एक्शन अवतार में लौट रहे हैं, जहां वे राणातुंगा का किरदार निभाते हुये नजर आयेंगे। रणदीप हुड्डा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन फिल्में पसंद रही हैं।

इसमें एक अनकही ऊर्जा और रोमांच होता है। बायोपिक और पुलिस किरदार निभाने के बाद, 'जाट' में राणातुंगा जैसे खतरनाक किरदार को निभाना मेरे लिए एक दिलचस्प अनुभव रहा। मुझे एक्शन की कमी खल रही थी, और इस फिल्म ने मुझे दोबारा उस जगह में जाने का परफेक्ट मौका दिया। इसके स्टंट्स, हाई–फाई एक्शन सीक्वेंस और किरदार की शारीरिक डिमांड्स मेरे लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन मज़ेदार रहीं। राणातुंगा जैसा बेरहम और दिलचस्प किरदार निभाना वाकई रोमांचक रहा।

'एक्सट्रैक्शन' में हॉलीवुड में एक भारतीय एक्टर के तौर पर फुल–ऑन एक्शन करने का अनुभव बेहद शानदार था। गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है।

मलाइका अरोड़ा के खिलाफ नया जमानती वारंट जारी

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान और दो अन्य से जुड़े 2012 के होटल विवाद मामले में गवाह अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा के खिलाफ नया जमानती वारंट जारी किया है। अदालत ने सबसे पहले 15 फरवरी को अरोड़ा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। सोमवार को उनके अदालत में पेश न होने पर यह फिर से जारी किया गया। अदालत गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में है। मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। मलाइका उस समूह का हिस्सा थीं जो 22 फरवरी–2012 को कथित घटना के समय सैफ अली खान के साथ होटल में डिनर के लिए गये थे। सैफ अली खान और दो अन्य

आरोपियों को व्यवसायी इकबाल मीर शर्मा की ओर से दर्ज करायी गयी शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था। तीनों को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। जब यह झगड़ा हुआ, उस समय अभिनेता के साथ उनकी पत्नी करीना कपूर, उनकी बहन करिश्मा कपूर, मलाइका अरोड़ा, अमृता अरोड़ा और कुछ पुरुष मित्र होटल में मौजूद थे।

तमन्ना भाटिया की फिल्म 'ओडेला 2' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म'ओडेला 2' फिल्म 'ओडेला – रेलवे स्टेशन' की सीक्वल है। तमन्ना भाटिया के दमदार लीड रोल के साथ, मेकर्स और पूरी टीम एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने की उम्मीद कर रहे हैं। यह फिल्म 17 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म की कहानी एक बुरे इरादों वाले शख्स (वशिष्ठ) के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसके काले जादू और तंत्र गांव वालों को परेशान करते हैं। खासकर वह महिलाओं को परेशान करता है। उससे रक्षा के लिए शिव शक्ति (तमन्ना भाटिया) की एंट्री होती है। अपनी दिव्य ऊर्जा और ताकत के साथ शिव शक्ति उस बुरे शख्स के शासन की समाप्ति का संकल्प लेती हैं।

भारी बजट में बनी 'ओडेला 2' में शानदार कलाकारों की टोली है, जिसमें वशिष्ठ एन. सिम्हा, हेबा पटेल, मुरली शर्मा, शरथ लोहिताश्व, श्रीकांत अयंगर, नागा महेश, वामशी, गगन विहारी, सुरेंद्र रेड्डी, भूपाल और पूजा रेड्डी शामिल हैं। इस फिल्म को मदु क्रिएशंस के तहत डी. मधु द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

हिंदी संस्करण को 'एडवाइज़ मूवीज़' बैनर के तहत आदित्य भाटिया पेश करेंगे, जबकि जय विराट्रा एंटरटेनमेंट लिमिटेड इसके हिंदी क्षेत्रों में वितरण को संभालेगा। फिल्म 'ओडेला 2'का निर्देशन अशोक तेजा ने किया है, जबकि इसकी कहानी, पटकथा, संवाद और निर्देशन पर्यवेक्षण संपत नंदी ने किया है। फिल्म का संगीत बी. अजनीश लोकनाथ ने दिया है।

फिल्म 'लॉग आउट' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता बाबिल खान की आने वाली फिल्म लॉग आउट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। बाबिल खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लॉगआउट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी मोबाइल की लत के शिकार युवा के ईर्द–गिर्द घूमती है। फिल्म 'लॉगआउट' की कहानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रत्युष की है, जिसका किरदार बाबिल खान ने निभाया है। उसके 10 मिलियन फॉलोअर्स होने वाले हैं, लेकिन तभी उसकी ज़िंदगी एक बुरे मोड़ पर आ जाती है। प्रत्युष को लगता है कि वही सारी दुनिया को चलाता है। लेकिन एक दिन अचानक उसका फोन गुम हो जाता है, और तब उसकी दुनिया भी उजड़ जाती है। अमित गोलानी निर्देशित, यह फिल्म पहले ही अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव सर्किट पर चर्चा का विषय बन चुकी है और अब यह जी5 प्लेटफॉर्म पर अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है।

बाबिल खान ने इंस्टाग्राम पोस्ट

के जरिए फिल्म 'लॉगआउट' के ट्रेलर की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है, 'हम जो कंज्यूम करते हैं और जो हमें कंज्यूम करता है, उसके बीच की रेखाएं धुंधली होने वाली हैं'। फिल्म 'लॉगआउट' 18 अप्रैल को जी5 पर रिलीज होगी फिल्म लॉग आउट के अलावा, बाबिल जल्द ही इंडो–अमेरिकन फंतासी फिल्म यक्षी और एक अनटाइटल्ड रोमांटिक ड्रामा में नज़र आएंगे, जो अभी तक गुप्त है। लॉग आउट के साथ, बाबिल खान सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सिनेमा में सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं।

'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में प्रतिमा स्थापित करने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी

मुंबई/एजेन्सी

यशराज फिल्म्स की ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में प्रतिमा स्थापित करने वाली पहली भारतीय फिल्म बन गई है।

हार्ट ऑफ लंदन बिजनेस एलायंस ने आज घोषणा की है कि एक नई मूर्ति लंदन के लीसेस्टर स्क्वायर में स्थित रोमांचक 'सीन्स इन द स्क्वायर' मूवी ट्रेल में शामिल होने जा रही है, और यह सम्मान यशराज फिल्म्स की ऐतिहासिक ब्लॉकबस्टर फिल्म डीडीएलजे को मिला है। यह कांस्य प्रतिमा बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स ,शाहरुख खान और काजोल को डीडीएलजे के एक प्रतिष्ठित पोज में प्रदर्शित करेगी। इस साल वसंत ऋतु में इसका अनावरण होना तय है। नई प्रतिमा ओडियन सिनेमा के बाहर, पूर्वी टेरेस पर स्थापित की जाएगी।

शाहरुख खान और काजोल अब 'सीन्स इन द स्क्वायर' में अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के दिग्गजों के साथ शामिल होंगे, जिसमें पिछले 100 वर्षों के दस अन्य फिल्म आइकन शामिल हैं। डीडीएलजे की प्रतिमा अब हैरी पॉटर, लॉरेल और हार्डी, बग्स बनी, जीन केली (सिंगिंग इन रेन), मैरी पॉपिंस, मिस्टर बीन, पैडिंग्टन और डीसी सुपरहीरोज़ बैटमैन और वंडर वुमन जैसे प्रतिष्ठित किरदारों के साथ स्थापित होगी।

यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी, ने कहा ,जब दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे 30 साल पहले रिलीज़ हुई थी, तब इसने भारतीय सिनेमा में एक निर्णायक मोड़ ला दिया और इंडस्ट्री का चेहरा बदल दिया। इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर लोगों के दिल जीत लिए। हमें गर्व है कि हमारी फिल्म 'सीन्स इन द स्क्वायर' में शामिल होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जाति, भाषा, प्रांत और संप्रदायों का भेदभाव इतना जहरीला होता है कि वह न्याय, नीति, मानवता और कर्तव्य का बोध कभी नहीं होने देता। इनके बलबूते पर अयोग्य भी सत्ता की योग्यता प्राप्त कर लेते हैं। नीति शास्त्र कहता है कि अयोग्य के पास आई हुई सत्ता, सामर्थ्य और शक्ति सदैव लोगों के शोषण तथा उत्पीड़न का ही काम करती है। कमोबेश हम अपने देश के अनेक प्रांतों में और विश्व के अनेक देशों में यही स्थिति देख रहे हैं। यह कलयुग की करुण दर्दनाक कथा है।

दक्षिण रेलवे की महिला कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां लायंस क्लब ऑफ मीनंबाक्कम के डायमंड जुबली के अवसर पर विभिन्न समाज सहायता कार्यक्रमों में मासिक धर्म स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। पेरांबूर स्थित साउथ रेलवे हेड क्वार्टर अस्पताल के स्टाफ, महिला कर्मचारी, लैब महिला कर्मचारी गण आदि के लिए और डी रैंप मुख्यालय स्थित अस्पताल परिसर में रेलवे फाइनैंशियल फोर्स की महिला कंसल्टेंट्स के लिए दो मासिक धर्म स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रशिक्षक शीला दीक्षित ने दो शिविरों के माध्यम से दी। इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष संजय जैन, सचिव ब्लुश जैन, प्रमुख अशोक कुमार, डायमंड जुबली के अध्यक्ष जयंतीलाल तीथसारा, बरखा शाह, ग्रीष्मा राठी, शोभा, गुड़िया, मंदार मोदी, किशोर गुलेचा, मनोज गुप्ता भी शामिल थे।

कोयम्बटूर में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में निकला भव्य वरघोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर से गुरुवार को भव्य महावीर जन्म कल्याणक वरघोडा का आयोजन

धार्मिक अनुष्ठान में उमड़े श्रद्धालु

हर्ष उल्लास से हुआ। साध्वीश्री पद्मप्रभाश्रीजी, साध्वीश्री सौम्यांजनाश्रीजी, साध्वीश्री संयमपूर्णाश्रीजी की निश्रा में शोभायात्रा आरजी स्ट्रीट मंदिर से होकर आस पास के क्षेत्र में होते हुए वापस सुपार्श्वनाथ मंदिर पहुंचकर एक धर्म सभा में परिवर्तित हुई। सभा में मंदिर के अध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता ने सभी का स्वागत किया।

साध्वीश्री पद्मप्रभाश्रीजी ने अपने ओजस्वी वाणी में वर्धमान महावीर के जीवन काल पर प्रकाश डाला। उन्होंने भगवान महावीर के 2624 वां जन्म कल्याणक के अवसर उपस्थित लोगों को भगवान महावीर के पथ पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आडम्बर से दूर होकर संयमित और साधा जीवन जीना चाहिए। फालतू खर्च करने के बजाय साधार्मिक कार्यों में दान धर्म करना चाहिए। जैन धर्म के सिद्धांतों को समझते हुए जीवन जीना चाहिए। मंदिर में परमात्मा की सुन्दर आंगी की गई। शाम को दीपक की रोशनी हुई। रात्रि में श्री सुपार्श्वनाथ जैन सेवा मंडल द्वारा प्रभु भक्ति का रंगारंग कार्यक्रम हुआ। मंदिर ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष गुलाब चंद मेहता ने जिला प्रशासन ओर पुलिस प्रशासन को सुंदर व्यवस्था के लिए आभार व्यक्त किया गया।

लड्डू वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कोंडितोप में गुरुवार को श्री रत्नपुरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ की स्थापना प्रसंग एवं भगवान श्री महावीर स्वामीजी के जन्म कल्याणक निमित्त रत्नपुरी परिसर मे प्रवासित समस्त परिवारों के साथ ही रत्नपुरी परिसर के सभी सुरक्षकर्मी एवं कामगारों को मोतीचूर के लड्डु का वितरण किया गया। इस अवसर पर संघ के मुख्य सचिव संघवी हीराचंद कांकरिया ने कहा कि बच्चों मे संस्कार के लिए यहाँ धार्मिक पाठशाला एवं संघ के परिवारों मे मेल मिलाप व परिचय हेतु शीघ्र ही तीर्थ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

मदुरै से भगत की कोठी के लिए विशेष ट्रेन 14 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। दक्षिण रेलवे ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियां ट्रेन नंबर 06067/06068 मदुरै – भगत की कोठी – मदुरै सुपर फास्ट स्पेशल की एक सेवा चलाई जा रही है।

ट्रेन संख्या 06067 मदुरै–भगत की कोठी सुपरफास्ट स्पेशल 14 अप्रैल को मदुरै से 10.45 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 12.30 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06068 भगत की कोठी – मदुरै सुपरफास्ट स्पेशल 17 अप्रैल, 2025 (गुरुवार) को भगत की कोठी से 05.30 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन 08.30 बजे मदुरै पहुंचेगी। इस ट्रेन में 12 एसी थ्री टियर कोच, 6 एसी थ्री टियर इकॉनमी कोच और 2 लगेज सह ब्रेक वैन होंगे।

यह ट्रेन मदुरै से चल कर डिंडीगुल,त्रिची, वृद्धाचलम, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू, ताम्बरम, चेन्नई एग्मोर, सुल्लुरपेटा, गुडूर, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा, खम्माम, वारंगल, बल्हारशाह, चंद्रपुर, वर्धा, धनमंडल, बडनेरा अकोला, मल्कापुर, भुसावल, जलगांव, नंदुरबार, उधना, अंकलेश्वर, वडोदरा, आनंद स्टेशनों पर रुकते हुए भगत की कोठी पहुंचेगी।

मैसूरु में धूमधाम से मनाया गया प्रभु महावीर का जन्मकल्याणक महोत्सव

शोभायात्रा में उमड़े श्रद्धालु, प्रभु के गुणों को किया याद

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में तथा साध्वी क्षमाशीलाश्रीजी के सान्निध्य में भगवान महावीर स्वामी का 2624वां जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया। गुरुवार सुबह महावीर भवन में प्रभु महावीर का विविध औषधि से बने तरल पदार्थ से प्रभु प्रतिमा पर विधिवत शक्रस्तव अभिषेक किया गया। सुमतिनाथ जिनालय में पूजा अर्चना के बाद महावीर स्वामी की प्रतिमा रथ पर विराजित कर जयकारों के साथ भव्य रथयात्रा निकाली गई। सुमतिनाथ संघ के सचिव कांतिलाल गुलेच्छा ने हरी झंडी दिखाकर वरघोड़े को रवाना किया। रथ यात्रा में सकल संघ के साथ विभिन्न महिला मंडल, बालिका मंडल, वधू मंडल आदि ने अपने अपने संघ गणवेश धारण कर भाग लिया। प्रभु का वरघोड़ा महावीर नगर, इरविन मार्ग, नेहरू चौराहा, अशोक मार्ग, बड़ा घंटाघर, चंद्रगुप्त मार्ग होते हुए महावीर भवन पहुंचा और धर्मसभा में परिवर्तित हो गया।

महावीर भवन के सभागार में साध्वीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि महावीर स्वामी भगवान के जन्म से पूरे संसार में खुशियां छा जाती हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणक मनाने के लिए भगवान के आदर्शों को जीवन में लाना होगा। प्रभु महावीर की वाणी अमृततुल्य थी, उनका आचरण वंदनीय था। प्रभु महावीर सहजता, साधारणता व समता के त्रिवेणी संगम थे। इस मौके पर सुमतिनाथ संघ के सचिव कांतिलाल गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष पारसमल सिंघवी, ट्रस्टी विमल भैसवाड़ा, प्रकाश सालेचा, नगराज राठोड, महावीर गादिया, राजेंद्र सोलंकी, जयंतीलाल परमार, जीवराज पोरवाल, सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी ट्रस्ट के अध्यक्ष शांतिलाल हरण, कोषाध्यक्ष धनेश मेहता, सुमतिनाथ जैन नवयुवक मंडल के अध्यक्ष जयकुमार सालेचा, उपाध्यक्ष विनोद ओसवाल, सचिव ललित राठौड़, कोषाध्यक्ष आनंद सालेचा, दीपक खींवसेरा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या श्रावक श्राविका उपस्थित थे।

जीव दया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को एक्स्नोरा अहिंसा इंडिया द्वारा भगवान महावीर स्वामीजी के 2624 वे जन्म कल्याणक दिवस के उपलक्ष में जीवदया कार्यक्रम मरीना बीच पीजीयौन फीडिंग सेंटर में कबूतरों को जवाहर, मूंग, अनाज देकर मनाया गया। इस मौके पर एक्स्नोरा अहिंसा इंडिया के महा सचिव फतेहराज जैन के साथ अभियान में गोविंदराज, ससीकुमार, सारथी, इंद्रजीत, चंद्रशेखर, तमिलमणि, एवं कई जीवदया प्रेमी उपस्थित थे।

गुलाब जल का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरुवार को भगवान महावीर के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर दादावाड़ी में जन्म कल्याणक महोत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महावीर जैन ग्रुप की ओर से आए हुए श्रद्धालुओं को गुलाब जल पिलाया गया, जिससे पूरे वातावरण में शीतलता और भक्ति की भावना व्याप्त हो गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में महावीर जैन ग्रुप की अध्यक्ष निरूमला वशंत छल्लाणी का विशेष योगदान रहा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम की सफलता में सचिव सुनीता भंडारी, कमल किशोर बाफना, वशंत छल्लाणी, शकुन्तला, दीपक, काजल, कृष जामेड़, कोमल, सुरती और अन्य सभी सदस्यों का अहम योगदान रहा।

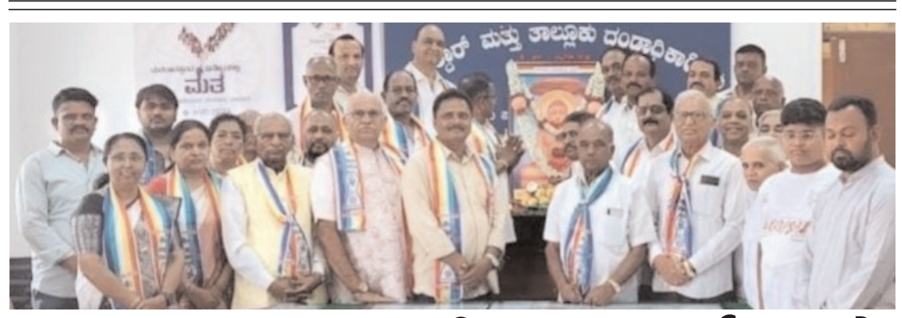

कृष्णाराजपुरम तहसीलदार कार्यालय में मनाया गया महावीर जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कृष्णराजपुरम राममूर्तिनगर जैन संघ द्वारा दिगम्बर समुदाय के साथ मिलकर तहसीलदार ऑफिस कृष्णराजपुरम में भगवान महावीर का 2624वां जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि उप–तहसीलदार प्रकाश कुमार ने प्रभु के सिद्धांत 'जीयो और जीने दो' को अपनाने की बात कही। अधिकारी मल्लिकार्जुन ने भगवान महावीर के अहिंसा के सिद्धांतों को याद किया।

इस मौके पर कृष्णराजपुरम संघ के मंत्री रिखबचंद मेहता ने कहा कि अहिंसा परमो धर्मः के संदेश के साथ विश्व को जीने की राह दिखाने वाले भगवान श्री महावीर समस्त संसार को राह दिखाने वाले हैं। उन्होंने जन्म कल्याणक महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इसी मौके पर दिगंबर जैन के अशोक ने निर्माणाधीन आदिनाथ भगवान का मंदिर के बारे में जानकारी दी और सहयोग की अपील की। दिगम्बर संघ के अध्यक्ष सतीश जैन ने कहा कि हम सभी प्रभु महावीर की संतान हैं, हमें उनके गुणों को अपनाना चाहिए।

इस मौके पर स्थानीय व जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। रिखबचन्द ने तहसीलदार कार्यालय में महावीर जयंती मनाने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को पुरुषवाक्कम में श्री वर्धमान जैन नवयुवक मंडल द्वारा महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर दही चावल, मिठाई का वितरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति गीत, पुचिसनम पट से हुई, ध्वजारोहण के बाद लगभग 900 सदस्यों को अन्नदान किया गया। एसएस जैन संघ और नवयुवक मंडल के सभी सदस्य इसमें शामिल हुए। यह जानकारी अध्यक्ष आनंद चुतर ने दी।

बलडोटा ग्रुप कर्नाटक में 54,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात क्षेत्र में देगा दस्तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी/नई दिल्ली। विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में कार्यरत बलडोटा समूह कर्नाटक में 1.05 करोड़ टन उत्पादन क्षमता वाली परियोजना स्थापित करने के लिए 54,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस्पात क्षेत्र में दस्तक देने की योजना बना रहा है। समूह ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कंपनी के एक बयान के अनुसार, एकीकृत इस्पात परियोजना के उपाध्यक्ष नागराज एन बी ने कहा कि एक बार चालू हो जाने पर, यह नई परियोजना राज्य का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात संयंत्र होगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

कर्नाटक के इस समूह के अनुसार, यह वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा (पवन और सौर), पोत परिवहन, खनन आदि जैसे क्षेत्रों में काम करता है। उन्होंने कहा, पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) अध्ययन के बाद हमें 35 लाख टन क्षमता के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। परियोजना का पहला चरण इस साल शुरू होने की उम्मीद है।

नागराज एन बी ने कहा कि शेष क्षमता अगले पांच साल में 2030 तक विभिन्न चरणों में जोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2030 तक भारत का लक्ष्य अपनी कुल स्थापित इस्पात निर्माण क्षमता को 30 करोड़ टन तक बढ़ाना है। देश की वर्तमान क्षमता लगभग 18 करोड़ टन है। नागराज एनबी ने कहा कि समूह का लक्ष्य देश के 30 करोड़ टन लक्ष्य में 1.05 करोड़ टन का योगदान करना है। प्रस्तावित संयंत्र में स्वयं के उपयोग के लिए 295 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता का प्रावधान भी शामिल हैं।

बयान में समूह ने कहा कि कुछ वर्गों ने परियोजना के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता जताई थी।

अहिंसा रैली शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित तीर्थंकर महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में गुरुवार को टाउन हॉल से प्रातः 8 बजे अहिंसा रैली विशाल शोभा यात्रा के शुभारंभ के मौके पर महेन्द्र मुणोत व संगठन एवं सेवा ट्रस्ट के सदस्यों ने दीप प्रज्वलन किया एवं जैन ध्वज लहराकर रैली की शुरुआत की। रैली में विभिन्न जैन संगठन, महिला मंडल, बहू मंडल, किशोर मंडल, बालिका मंडल ने जीवन उपयोगी संदेश देती हुई झांकियां का प्रदर्शन किया। महेंद्र मुणोत ने शोभा यात्रा शुभारंभ स्थल पर अपने वक्तव्य में कहा कि महावीर जन्म कल्याण महोत्सव को सच्चे अर्थों में मनाना है तो हमें उनके सिद्धांतों को अपने जीवन का आदर्श बनाना होगा ।।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंडल द्वारा महावीर जन्मकल्याणक के मौके पर सिपानी ओल्डएज होम में निवासित 404 जरुरतमंद वरिष्ठ जनों को भोजन कराया तथा मिष्ठान व फल का वितरण किया।मंडल के सचिव संतोष परमार, वरिष्ठ सलाहकार कांतिलाल राठौड़, भूतपूर्व अध्यक्ष इंदरचंद नाहर एवं यशपाल नाहर आदि ने मानवसेवा कार्य में सहयोग किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.